श्रावण शुक्ल - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 15 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 06-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 जम्मू-कश्मीर पर भाजपा की नीति 'कश्मीरियत' का सम्मान करने वाली नहीं

6 मनु भाकर बनीं युवा खिलाड़ियों की आदर्श

7 अनन्या पांडे की फिल्म 'सीटीआरएल' की रिलीज डेट का ऐलान

बांग्लादेश में तख्ता पलट, हसीना ने छोड़ा देश

■ सेना प्रमुख जनरल वकर-उज-जमां ने सभी दलों की भागीदारी से अंतरिम सरकार के गठन की घोषणा की है।

■ सुश्री हसीना को सेना प्रमुख की ओर से 45 मिनट का अल्टीमेटम दिये जाने के बाद जबरन निर्वासित कर दिया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/एजेन्सी। बांग्लादेश में कोटा (आरक्षण) को लेकर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच सोमवार को सेना के तख्तापलट के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा।

देश में जारी हिंसक प्रदर्शन सोमवार सुबह सुश्री हसीना के आधिकारिक आवास गणभवन तक पहुंच गया, जिससे उनकी जान को खतरा पैदा हो गया। वह प्रदर्शनकारियों के गणभवन पहुंचने से पहले ही देश छोड़कर रवाना हो गयीं। इस बात के संकेत मिले हैं कि उन्होंने भारत में शरण ली है।

रिपोर्टों के अनुसार, सेना प्रमुख जनरल वकर-उज-जमां ने सभी दलों की भागीदारी से अंतरिम सरकार के गठन की घोषणा की है। जानकारी मिली है कि सुश्री हसीना (76) ने सेना प्रमुख को अपना इस्तीफा सौंपा है। ढाका ट्रिब्यून में जनरल जमां के हवाले से कहा गया है, हमने सभी राजनीतिक दलों के साथ सार्थक चर्चा के बाद देश में अंतरिम सरकार बनाने का फैसला किया है। हम स्थिति को सुलझाने के लिए अब राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन से बात करेंगे।

सेना प्रमुख ने विरोध के नाम पर सभी तरह की हिंसा को रोकने का आह्वान किया और कहा कि नई सरकार भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के दौरान हुई सभी मौतों के लिए न्याय सुनिश्चित करेगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सुश्री हसीना को सेना प्रमुख की ओर से 45 मिनट का अल्टीमेटम दिये जाने के बाद जबरन निर्वासित कर दिया गया। उनके देश से रवाना होने की खबर मिलते ही हजारों प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को उनके सरकारी आवास पर धावा बोल दिया।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, सुश्री हसीना आज

सेना ने कहा, अंतरिम सरकार संभालेगी सत्ता

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में अराजकता की स्थिति के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना सोमवार को एक सैन्य विमान से चुपचाप देश छोड़कर लंदन रवाना हो गयीं, जबकि सेना ने सत्ता के खालीपन को भरने के लिये कदम उठाते हुए अंतरिम सरकार बनाने की घोषणा की। हसीना के देश छोड़ने की खबर फैलने के बाद हजारों प्रदर्शनकारियों ने ढाका में उनके सरकारी आवास में लूटपाट और तोड़फोड़ की। सरकार विरोधी प्रदर्शनों में पिछले दो दिनों में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गयी। सड़कों पर उतरे उग्र प्रदर्शनकारियों ने हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमा को हथौड़ों से तोड़ दिया और उनकी पार्टी के कार्यालयों में आग लगा दी।

सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमां ने हसीना (76) के इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने टेलीविजन पर एक संबोधन में कहा कि अंतरिम सरकार सत्ता संभालेगी। जमां ने हसीना के 15 वर्ष के सत्ता के अंत का संकेत देते हुए कहा, मैं (देश की) सारी जिम्मेदारी ले रहा हूं। कृपया सहयोग करें। सेना प्रमुख ने कहा कि उन्होंने राजनेताओं से मुलाकात कर उन्हें बताया कि सेना कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेगी। बैठक में हालांकि हसीना की अवामी लीग पार्टी का कोई नेता मौजूद नहीं था।

शेख हसीना का विमान हिंडन एयरबेस पर उतरा

जयशंकर ने बांग्लादेश की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को जानकारी दी

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश में सरकार विरोधी व्यापक प्रदर्शनों के बाद सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने वाली शेख हसीना का विमान लंदन जाने की उनकी योजना के तहत गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरबेस पर उतरा। राजनयिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि हसीना बांग्लादेश वायुसेना के एक सी-130 जे सैन्य परिवहन विमान से भारत पहुंचीं। हसीना के विमान के एयरबेस पर उतरने के कुछ समय बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने उनसे मुलाकात की। माना जाता है कि हसीना को बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत के रुख से अवगत कराया गया।

भारत ने अभी तक बांग्लादेश के घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी नहीं की है। उम्मीद है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर मंगलवार को पड़ोसी देश के हालात पर संसद में बयान देंगे। इसके अलावा, जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बांग्लादेश में तेजी से बदल रहे हालात के बारे में जानकारी दी। बताया जा रहा है कि जयशंकर ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भी घटनाक्रम से अवगत कराया।

बताया जा रहा है कि हसीना को किसी सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है और सोमवार रात को उनके भारत से रवाना होने की संभावना नहीं है। सूत्रों ने बताया कि हसीना की योजना लंदन जाने की थी। हालांकि, कुछ मुद्दे सामने आए हैं, जिससे उनकी मूल योजना में कुछ अनिश्चितता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं का कत्लेआम किया जा रहा : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को दावा किया कि बांग्लादेश में जारी

उथल पुथल के बीच पड़ोसी देश के विभिन्न हिस्सों में हिंदुओं का कत्लेआम किया जा रहा है और जल्द ही एक करोड़ से अधिक शरणार्थियों के पश्चिम बंगाल में प्रवेश करने की संभावना है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने कहा कि उन शरणार्थियों को नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत भारतीय नागरिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''बांग्लादेश में हिंदुओं का कत्लेआम किया जा रहा है। अगर अगले कुछ दिनों में बांग्लादेश में स्थिति पर काबू नहीं पाया गया तो बंगाल के लोगों को 1947 या 1971 के मुक्ति संग्राम की तरह एक करोड़ से ज्यादा शरणार्थियों को स्वीकार करने के लिए तैयार रहना चाहिए।'' अधिकारी ने कहा कि राज्यपाल सी वी आनंद बोस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इस मामले पर तुरंत केंद्र से बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''शरणार्थियों को नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत (भारतीय) नागरिकता दी जानी चाहिए।''

फर्स्ट टेक

एयर इंडिया, इंडिगो ने ढाका के लिए उड़ानें रद्द कीं

नई दिल्ली/भाषा। एयर इंडिया और इंडिगो ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के अभूतपूर्व सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच इस्तीफा देने के बाद सोमवार को तत्काल प्रभाव से ढाका के लिए निर्धारित उड़ानें रद्द कर दीं। विस्तारा के एक अधिकारी ने कहा कि उसने सोमवार को मुंबई से उड़ान संचालित की और मंगलवार को ढाका के लिए परिचालन के लिए स्थिति की निगरानी की जा रही है। जहां एयर इंडिया दिल्ली से ढाका के लिए दो दैनिक उड़ानें संचालित करती है, वहीं विस्तारा मुंबई से दैनिक उड़ानें और दिल्ली से बांग्लादेश की राजधानी के लिए तीन साप्ताहिक सेवाएं संचालित करती है। इंडिगो की राष्ट्रीय राजधानी, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता से ढाका के लिए उड़ानें हैं। एयरलाइन द्वारा संचालित उड़ानों की संख्या तुरंत पता नहीं चल सकी।

भारत-बांग्लादेश व्यापार रोका गया

कोलकाता/भाषा। भारत-बांग्लादेश व्यापार सोमवार दोपहर से रोक दिया गया। कारोबारियों ने बताया कि पड़ोसी देश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के कारण अशांति के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया, जिसके चलते यह कदम उठाया गया। बांग्लादेश सरकार ने रविवार को एक अधिसूचना के जरिये जरूरी सेवाओं को छोड़कर तीन दिवसीय व्यापार अवकाश की घोषणा की थी। पश्चिम बंगाल निर्यातक समन्वय समिति के सचिव उज्ज्वल साहा ने कहा कि उनके भूमि बंदरगाहों पर बांग्लादेशी सीमा शुल्क से मंजूरी नहीं मिलने के कारण सभी निर्यात और आयात गतिविधियां ठप हो गई हैं। उन्होंने कहा, ''सुबह कुछ हलचल हुई थी, लेकिन बाद में गतिविधियां बंद हो गईं।''

पाकिस्तानी घुसपैठिये का शव पाकिस्तान रेंजर्स को सौंपा गया

जम्मू/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सोमवार को यहां अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान को उस व्यक्ति का शव सौंप दिया, जिसे हाल में अवैध रूप से भारत में घुसने की कोशिश करने के दौरान मार गिराया गया था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 31 जुलाई की रात सांबा जिले में खोरा सीमा चौकी पर बाड़ को पार करने का प्रयास करने वाले घुसपैठिए को गोली मार दी गई क्योंकि उसने बार-बार दी गई चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया था। वह निहत्था था। अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान पाकिस्तानी नागरिक मुहम्मद अफियाल के रूप में हुई है, जो पाकिस्तान के पंजाब प्रांत का निवासी था।

05-08-2024 सूर्यास्त 6:34 बजे	06-08-2024 सूर्योदय 5:55 बजे
BSE 78,759.40 (-2,222.55)	NSE 24,055.60 (-662.10)
सोना 7,112 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 89,000 रु. प्रति किलो

केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा समिति की बैठक में बांग्लादेश की स्थिति पर हुई चर्चा

नई दिल्ली/एजेन्सी। केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति की सोमवार देर शाम हुई बैठक में पड़ोसी देश बांग्लादेश में तेजी से बदलते राजनीतिक घटनाक्रम और प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत आने के बाद उत्पन्न स्थिति पर चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने देर रात बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में उनके आवास पर सुरक्षा मामलों की समिति की बैठक हुई। बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश के राजनीतिक घटनाक्रम और इसके बाद उत्पन्न स्थिति की जानकारी दी गई।

बैठक में श्री मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और कुछ वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने कहा

शेख हसीना अब राजनीति में नहीं लौटेंगी

लंदन/भाषा। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने सोमवार को कहा कि उनकी मां अब राजनीति में नहीं लौटेंगी। हसीना के पूर्व आधिकारिक सलाहकार रहे जॉय ने कहा कि उनकी मां ने परिवार के आग्रह पर अपनी सुरक्षा के लिए देश छोड़ दिया। हसीना (76 वर्ष) ने अपनी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बीच इस्तीफा दे दिया और लंदन के लिये रवाना हो गईं।

'बीबीसी वर्ल्ड सर्विस' पर 'न्यूजआवर' को दिए एक साक्षात्कार में जॉय ने कहा कि उनकी मां की कोई राजनीतिक वापसी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हसीना रविवार से ही इस्तीफा देने पर विचार कर रही थीं और परिवार के आग्रह के बाद अपनी सुरक्षा के लिए देश छोड़कर चली गईं। खबर के मुताबिक, जॉय ने कहा कि 15 साल तक बांग्लादेश पर शासन करने वालीं उनकी मां बहुत निराश थीं कि उनकी इतनी मेहनत के बाद भी लोग उनके खिलाफ उठ खड़े हुए।

हसीना की निराशा को अभिव्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, ''उन्होंने बांग्लादेश को बदल दिया है। जब उन्होंने सत्ता संभाली थी, तो इसे एक असफल राष्ट्र माना जाता था। यह एक गरीब देश था। लेकिन आज इसे एशिया के उभरते देशों में से एक माना जाता था।

आबकारी 'घोटाला' मामले में

केजरीवाल की गिरफ्तारी वैध : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कथित आबकारी नीति घोटाले से उपजे भ्रष्टाचार के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखा।

उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि सीबीआई के कृत्यों में कोई दुर्भावना नहीं है, जिसने दिखाया है कि आप सुप्रीमो कैसे उन गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं, जो उनकी गिरफ्तारी के बाद ही गवाही देने का साहस जुटा सकते हैं।

अदालत ने कहा कि सीबीआई द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी और प्रासंगिक साक्ष्य एकत्र करने के बाद उनके खिलाफ साक्ष्यों का चक्र बंद हो गया और यह नहीं कहा जा सकता कि यह बिना किसी उचित कारण के या अवैध था।

अदालत ने कहा कि केजरीवाल कोई साधारण नागरिक नहीं हैं, बल्कि मैगसायसाय पुरस्कार विजेता और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक हैं।

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने अपने 48 पन्नों के फैसले में कहा, गवाहों पर उनका नियंत्रण और प्रभाव प्रथम दृष्टया इस तथ्य से पता चलता है कि ये गवाह याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी के बाद ही गवाह बनने का साहस जुटा सके, जैसा कि विशेष अभियोजक ने उजागर किया है।

किसानों को वोट बैंक मानना बंद करें राजनीतिक दल : शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस को किसान विरोधी करार देते हुए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को राजनीतिक दलों से अपील की कि वे किसानों को वोट बैंक मानना बंद करें तथा उनके साथ इंसान की तरह व्यवहार करें।

उच्च सदन में कृषि मंत्रालय के कामकाज पर हुई चर्चा पर अधूरे रह गये अपने जवाब को आगे बढ़ाते हुए कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से न केवल छोटे एवं सीमांत किसान सशक्त हुए बल्कि उनका सम्मान भी बढ़ा है।

चौहान जब जवाब दे रहे थे तब कांग्रेस के रणदीप सिंह सुरजेवाला ने उन्हें कई बार बाधित करना चाहा और भाजपा सरकार के ऊपर किसानों पर गोलियां चलाने का

आरोप लगाया। कृषि मंत्री ने कहा, ''मैंने पहले ही कहा था कि मुझे छेड़ो मत। अगर छेड़ा तो छोड़ूंगा नहीं।'' उन्होंने मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के शासनकाल सहित कांग्रेस की विभिन्न सरकारों के शासन काल में किसानों पर गोलियां चलाये जाने की विभिन्न घटनाओं का हवाला दिया।

कांग्रेस सदस्यों ने कृषि मंत्री के जवाब पर विरोध जताते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया।

सदन से बाहर जा रहे कांग्रेस सदस्यों को इंगित करते हुए चौहान ने कहा कि यह भी सुनकर जाइये कि 23 अगस्त 1995 को हरियाणा में चलायी गयी गोलियों से छह किसान मारे गये थे।

इस बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने कृषि मंत्री को रोकते हुए कहा कि यह बहुत ही ''दर्दनाक और दुर्भाग्यपूर्ण'' है.....। उन्होंने कहा कि जब सदन में देश के सबसे महत्वपूर्ण वर्ग किसानों के बारे में चर्चा हो रही हो तो सदन में हर सदस्य का यह मौलिक कर्तव्य है कि वह चर्चा में गंभीरता से भाग ले।

धनखड़ ने कहा कि जिन कांग्रेस सदस्य रणदीप सुरजेवाला ने इस चर्चा की शुरुआत की थी, उन्होंने किसानों के हितों को तिलांजलि देते हुए, संजीदगी का परित्याग करते हुए, मंत्री के भाषण में जो अवरोध पैदा करने का प्रयत्न किया, ''उसका मैं खंडन करता हूं, प्रतिकार करता हूं, निंदा करता हूं।''

सितंबर में होंगे जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आर एस पुरा (जम्मू कश्मीर)/भाषा। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव सितंबर में होंगे।

रेड्डी ने केंद्र शासित प्रदेश (जम्मू कश्मीर) के लोगों से विकास की गति बनाए रखने और आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पांच साल पहले, पांच अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद से जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान और इसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लगा है।

जम्मू कश्मीर में भाजपा के चुनाव प्रभारी रेड्डी जम्मू के बाहरी इलाके में बाना सिंह स्टेडियम में, अनुच्छेद 370 के निरस्त किये जाने की पांचवीं वर्षगांठ पर अपनी पार्टी द्वारा आयोजित 'एकात्म महोत्सव' रैली को संबोधित कर रहे थे। इस रैली में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू कश्मीर के प्रभारी तरुण चुघ और भाजपा की जम्मू कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रविंदर रैना अन्य प्रमुख वक्ताओं में शामिल थे। रेड्डी ने कहा, विधानसभा चुनाव सितंबर में होंगे और हमें यकीन है कि लोग भाजपा को पूर्ण बहुमत से सत्ता में लाएंगे, क्योंकि पार्टी ने अनुच्छेद 370 को हटाकर और भीम राव आंबेडकर के संविधान को जम्मू कश्मीर तक विस्तारित करके राज्य में बदलाव लाए हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कौन दलित

है संविधान में सब समान
फिर कौन दलित कैसे बोलो।
इतिहासों के पन्नों को पढ़,
ना वर्तमान में विष घोलो।
समरसता के सद्भावों को,
ना राजनीति से अब तोलो।
आने दो खुली हवाओं को,
इन बंद खिड़कियों को खोलो।।

अन्नदान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेन्टर के तत्वावधान में हरियाली अमावस्या व उमंग कार्यक्रम के उपलक्ष्य में सिटी मार्केट के पास गौतम आकाश दक के सौजन्य से 19वां महाप्रसादी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 500 लोगों ने प्रसादी का लाभ लिया। इस मौके पर लाभार्थी दक परिवार के सदस्य आशिक पीरगल, आशीष बाफना, चेयरपर्सन वीरा भारती छाजेड़ तलेसरा ने सेवा प्रदान की।

चर्चा, परिचर्चा व सम्मान के साथ सम्पन्न हुई दक्षिणांचल स्तरीय कन्या कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के तत्वावधान में दक्षिणांचल स्तरीय कन्या कार्यशाला ज्योतिर्मय के द्वितीय दिवस पर पूनम दुगड़ ने आसन और शारीरिक क्रियाएं करवायी। प्रेक्षा प्रशिक्षक छत्रसिंह मालू ने विभिन्न केंद्रों पर ध्यान एवं प्राणायाम के प्रयोग करवाएं। नीता सेठिया ने महाप्राण ध्वनि का प्रयोग कराया। सत्र का संचालन चेन्नई कन्या मंडल से चेष्टा समदरिया ने किया। कार्यशाला में 'रोल बैलेंस' का शुभारंभ मैसूर कन्या मंडल द्वारा किया गया। प्रथम चरण 'स्टे अपडेट-स्टे स्क्युियोर' में आईएसडीसी के निदेशक आरवी रघु ने आए दिन होने वाले साइबर क्राइम की जानकारी देते हुए उनसे बचने के उपाय बताएं एवं कन्याओं की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। सत्र के दूसरे चरण में एटी बाक्स की संस्थापिका व ब्रांड निदेशक रचिता गांधी, सहसंस्थापिका प्राची जैन ने पैनल चर्चा में भाग लिया। मुख्य वक्ता मोनिका पिरगल ने कन्याओं को पारिवारिक जिम्मेदारियां के बारे में बताते हुए छोटी-छोटी बातों को नजर अंदाज करने की प्रेरणा दी। मॉडरेटर की भूमिका राष्ट्रीय कन्या सह प्रभारी सोनम बागरेचा एवं गदग कन्या मंडल से तृप्ति कोठारी ने निभाई। राष्ट्रीय पदाधिकारियों सहितअध्यक्ष मंजू गादिया ने अतिथियों व वक्ताओं का सम्मान किया। चिकमगलूर कन्या मंडल से नेहा दुगड़ ने सभी को धन्यवाद दिया ।

तीसरे चरण में सम्मान समारोह का संचालन कोयंबटूर कन्या मंडल से श्रुति जैन ने किया। अभातेममं राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा, महामंत्री नीतू ओस्तवाल, राष्ट्रीय कन्या प्रभारी अदिति सेखानी, कन्या सहप्रभारी सोनम बागरेचा,कार्यकारिणी समिति सदस्या माला कातरेला,अनीता बरडिया द्वारा कार्यशाला में सभी सहभागियों व सहयोगियों का सम्मान किया।

सफल आयोजन के लिए विजयनगर मंडल अध्यक्ष मंजू गादिया टीम तथा विजयनगर कन्या मंडल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कोयंबटूर कन्या मंडल से भावना बोथरा एवं आभार ज्ञापन विजयनगर कन्या मंडल से ध्वनि गन्ना ने किया। कार्यशाला की संयोजिका प्रेम भंसाली ने कार्यशाला के सहयोगियों को धन्यवाद दिया।

विजयशांतिसूरि मंदिर ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित सुराणा मेंशन में योगीराज श्री विजयशांतिसूरि मंदिर ट्रस्ट की बैठक ताराचंद राठौड के अध्यक्षता में आयोजित हुई। कोषाध्यक्ष द्वारा गत साल का आय व्यय का ब्योरा दिया। आगामी तीन साल के लिए समिति की रचना हुई जिसमें ताराचंद राठौड़ को चेयरमैन, सुरेश

वेदमुथा को अध्यक्ष, ललित चोरडिया रायपुर, विनोद मुणोत एवं गौतमचंद वैद चेन्नई को उपाध्यक्ष चुना गया। महासचीव पद पर विजयकुमार सुराना एवम सहसचिव पद पर मंगलचंद नाहर सकलेशपुर, चेतनप्रकाश झारमुथा को कोषाध्यक्ष एवम महावीरचंद चुत्तर सह कोषाध्यक्ष चुना गया। कार्यकारी समिति में अनेक सदस्यों का चयन हुआ।

बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अरसीकेरे के मांगीलाल मेहता को मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष एवम भरत सिंघवी गुलबर्गा तथा रमेशकुमार कटारिया अरसीकेरे को सदस्य चुने गए।

मंदिर निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पुरा कर प्रतिष्ठा करवाने का निर्णय लिया गया।

सौर ऊर्जा संबंधी सरकारी नीति और दृष्टि अस्पष्ट : विपक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) सहित विभिन्न दलों के सदस्यों ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उसकी नीति और दृष्टि अस्पष्ट है जिससे उत्पादन लक्ष्यों से काफी पीछे है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के कामकाज पर राज्यसभा में हुई चर्चा में भाग लेते हुए आप सदस्य संदीप कुमार पाठक ने कहा कि इस संबंध में सरकार की नीति और दृष्टि में स्पष्टता नहीं है और न ही उसकी नीति में सततता नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और यहां 300 दिन धूप वाले होते हैं जिसका फायदा उठाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि देश की सारी ऊर्जा जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरी हो सकती हैं तो सवाल उठता है कि गड़बड़ी कहां हो रही है। आप सदस्य ने कहा कि चीन ने अपने सौर मिशन में विकास एवं रोजगार सृजन पर जोर दिया जिसका उसे व्यापक फायदा मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि सौर ऊर्जा संबंधी सरकारी नीति में न तो स्पष्टता है और न ही सततता। उन्होंने कहा कि एक बार सरकार उपकरणों पर आयात शुल्क कम कर देती है तो अगली बार बढ़ा देती है जिससे उसकी नीति में अस्थिरता परिलक्षित होती है। उन्होंने परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी पर चिंता जतायी और कहा कि देश की विभिन्न बिजली वितरण कंपनियों को मजबूत बनाने की जरूरत है।

स्व की हानि होने पर भी पर के दोषों का बखान नहीं करना चाहिए : साध्वी स्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि स्व की हानि होने पर भी हमें पर के दोषों का बखान नहीं करना चाहिए। मन के अन्तर्द्वन्द युद्ध को हमें समाप्त करना है और किसी की भी निन्दा से हमें बचना है।

जिसके चित्त में धर्म का वास हो जाता है उनको देवता भी नमन करते हैं। जो आप्त पुरुष होते हैं उन्हें समाधि में ही सुख मिलता है, वो दूसरों को भी समाधि में सहयोग प्रदान करते हैं। नकारात्मक टिप्पणियों पर ध्यान न दें, यदि कोई आपकी आलोचना कर रहा है, तो उस पर ध्यान न दें और उसे महत्व न देते हुए अपने मन में सकारात्मक विचार रखें और नकारात्मकता से बचें। आत्म-चिंतन करें और अपने विचारों और क्रियाओं को सुधारते हुए नकारात्मक लोगों से दूर रहें जो आपको नकारात्मकता प्रदान कर सकते हैं।

परमात्मा की इन बातों को अपनाकर हम परनिंदा से बच सकते हैं और अपने जीवन में सकारात्मकता बनाए रख सकते हैं।

केवलमुनि जैनोदय ट्रस्ट में मनाई गई आनंद ऋषि जयंती

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के शूले स्थित उपाध्याय केवलमुनि जैनोदय ट्रस्ट के दिवाकर दरबार में आचार्य आंनदऋषिजी की जयंती संतश्री बसंतमुनिजी के सान्निध्य में तप त्याग, जाप और धर्म आराधना के साथ मनाई गई। बसंत मुनिजी ने संतश्री आनंदऋषिजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन से शिक्षा लेने की प्रेरणा दी। ट्रस्ट के महामंत्री प्रेमकुमार कोठारी ने बताया कि आचार्य श्री हिंदी, प्राकृत, फारसी, उर्दू आदि अनेक भाषाओं के जानकार थे। सेवा, संगठन और शिक्षा आपके जीवन का उद्देश्य रहा। संस्कार महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष चंचल चोपड़ा ने बताया कि आनंद ऋषि के जन्म तिथि पर नवकार महामंत्र का जाप रखा गया। शनिवार को महिलाओं के लिए 25 बोल थोक संग्रह पर प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रवचन सभा में श्री रत्न हितैषी संघ के पूर्व अध्यक्ष यशवंतराज सांखला, शूले संघ के कोषाध्यक्ष इंदरचंद भंसाली, जैन कॉन्फेन्स के अशोक कोठारी, जसनगर जैन संघ के मनोहर गादिया, संस्कार महिला मंडल की ललिता सांखला, क्रांति बहू मंडल की वंदना कोठारी आदि अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मनोहर बंब ने किया।

'वीर वही जिसने इंद्रियों को जीत लिया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन भवन में प्रातःकालीन प्रवचन में राजेशमुनिजी ने इंद्रियों की गुलामी के प्रति सावधान किया। कहा कि जो जीव इंद्रियों का गुलाम बनता है वह अपना जीवन नष्ट कर लेता है। हाथी, भंवरा, हिरण आदि इंद्रियों की गुलामी के कारण ही मृत्यु को प्राप्त होते हैं, इसीलिए ज्ञानियों ने इंद्रियों को जीतने पर जोर दिया है जिसने इंद्रियों को जीत लिया उसे मन पर विजय पाना बहुत आसान हो जाता है। वीर वही है जिसने इंद्रियों को जीत लिया। इंद्रियां हमें कषायों की ओर ले जाती हैं और हम कर्म बंधन को मजबूत कर लेते हैं। जिसने मन और इंद्रियों को जीत लिया वह सहज ही कषाय से मुक्त हो जाता है। मन और इंद्रियों को जीत लेने वाला निडर हो जाता है क्योंकि संसार में वास्तविक शत्रु तो वे हैं जो हमारी आत्मा के शत्रु हैं। हमें आत्मा के शत्रुओं से डरना है और उनको परास्त करना है। इसका सर्वश्रेष्ठ उपाय जिनवाणी है जिसने जिनवाणी की गंगा में स्नान करना सीख लिया, वह निडर हो जाता है और संसार के कषायों से मुक्त हो जाता है। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने आगंतुकों का स्वागत किया।

विपक्ष ने वक्फ अधिनियम में संशोधन संबंधी विधेयक का विरोध करने की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा। विपक्ष के कई नेताओं ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार समाज में विभाजन पैदा करने के लिए वक्फ अधिनियम में संशोधन के लिए विधेयक लाना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि वे इससे जुड़े विधेयक का पुरजोर विरोध करेंगे। भाजपा के कई नेताओं ने इस संभावित कदम का दृढ़ता से बचाव किया और इस बात पर जोर दिया कि मोदी सरकार ने हमेशा हर क्षेत्र में पारदर्शिता लाने के इरादे से काम किया है।

सरकार वक्फ बोर्ड को नियंत्रित करने वाले 1995 के कानून में संशोधन करने के लिए संसद में एक विधेयक लाने वाली है ताकि इनके कामकाज में अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके तथा इन निकायों में महिलाओं की अनिवार्य भागीदारी हो सके। वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने वाला विधेयक वक्फ बोर्ड के लिए अपनी संपत्तियों का वास्तविक मूल्यांकन सुनिश्चित करने को लेकर जिलाधिकारियों के पास पंजीकरण कराना अनिवार्य कर देगा। देश में 30 वक्फ बोर्ड हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी संसद में वक्फ अधिनियम संशोधन विधेयक का विरोध करेगी। यादव से पूछा गया कि मोदी सरकार के वक्फ अधिनियम में संशोधन से संबंधी विधेयक को लेकर उनकी क्या तैयारी है? तो सपा नेता ने कहा, ''हम लोग इसके (वक्फ अधिनियम में संशोधन संबंधी विधेयक) खिलाफ रहेंगे।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा के पास हिंदू-मुस्लिम करने या मुसलमान भाइयों के अधिकारों को छीनने के अलावा कोई काम नहीं है।'' सपा प्रमुख ने कहा, ''इन्होंने (मोदी सरकार) पहले एंग्लो इंडियंस का अधिकार छीना। लोकसभा और विधानसभा में एंग्लो इंडियंस की एक सीट हुआ करती थी। उनका अपना प्रतिनिधित्व था, लेकिन इन्होंने फर्जी जनगणना करा ली और एंग्लो इंडियंस की सीट छीन ली।'' आईयूएमएल के सांसद ईटी मोहम्मद बशीर ने कहा कि सरकार का यह कदम गलत इरादे से उठाया गया है। उन्होंने कहा, ''अगर ऐसा कोई कानून आता है तो हम इसका पुरजोर विरोध करेंगे। हम समान विचारधारा वाले दलों से भी बात करेंगे।''

'राज्य के पुनर्निर्माण के लिए आंध्र की 'बर्बाद' हो चुकी छवि में सुधार की जरूरत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

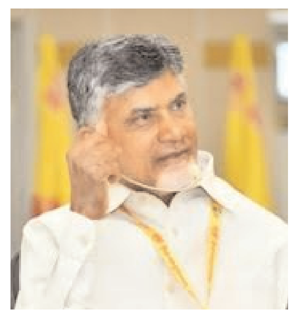

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के पुनर्निर्माण के लिए इसकी 'बर्बाद' हो चुकी छवि को बहाल किया जाए।

सचिवालय में नई राष्ट्रीय जनतंत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के पहले जिलाधिकारी सम्मेलन को संबेधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बैठक आंध्र प्रदेश के पुनर्निमर्माण की दिशा तय करेगी।

चंद्रबाबू नायडू ने कहा,यहां कई समस्याएं हैं और जिलाधिकारियों का यह सम्मेलन राज्य के पुनर्निर्माण की दिशा तय करेगा और यह एक ऐतिहासिक सम्मेलन होगा।

नायडू ने कहा,हमें राज्य की खराब हो चुकी छवि को सुधारना होगा। हमें यह साबित करना होगा कि आंध्र प्रदेश का प्रशासन सर्वश्रेष्ठ प्रशासनों में से एक है। राज्य के पुनर्निर्माण के महत्व पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक छोटी सी गलती को सुधारा जा सकता है, लेकिन एक राज्य जो पूरी तरह से तबाह हो गया है, उसके पुनर्निर्माण के लिए अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता है।

प्रत्येक तिमाही में जिलाधिकारियों का सम्मेलन आयोजित करने का वादा करते हुए उन्होंने कहा कि वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार के तहत पांच साल तक ऐसा कोई सम्मेलन नहीं हुआ, सिवाय उस एक सम्मेलन के जिसमें प्रजा वेदिका स्थल को ध्वस्त कर दिया गया था।

इस सम्मेलन को एक परंपरा बताते हुए मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सत्ता में कोई भी पार्टी हो अच्छी परंपराओं को बनाए रखना चाहिए और उन्हें आगे बढ़ाना चाहिए। नायडू के अनुसार, एक समय था जब दक्षिणी राज्य की नौकरशाही को देश में सर्वश्रेष्ठ माना जाता था, जिसने लगातार केंद्रीय आईटी सचिवों और शीर्ष बैंक के कुछ गवर्नर को जन्म दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी शासन में सारी प्रतिष्ठा ध्वस्त हो गई। नायडू ने दावा किया कि राज्य की नौकरशाही इस स्तर तक गिर गई है कि उसे दिल्ली में भी 'अछूत' माना जाता है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों को बताया गया कि राज्य सरकार ने 100 दिवसीय योजना तैयार की है जिसके प्रभावी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी अन्य जिम्मेदारियों के साथ जिलाधिकारियों पर होगी।

गरीब मुसलमान वक्फ संपत्तियों के विनियमन को पारदर्शी बनाने की लगातार मांग कर रहे हैं : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार द्वारा वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन के लिए संसद में विधेयक पेश किए जाने की संभावना के बीच, केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को कहा कि वक्फ संपत्तियों के नियमन को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए आम मुसलमानों द्वारा लगातार मांग की जा रही है।

हालांकि, उन्होंने पत्रकारों के साथ अपनी संक्षिप्त बातचीत के दौरान विधेयक पर कोई टिप्पणी नहीं की।

हाल में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी दिये गए इस विधेयक को अबतक संसद में पेश नहीं किया गया है। रीजीजू ने कहा, ''लंबे समय से गरीब और आम मुसलमानों, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं, की ओर से वक्फ संपत्तियों को अधिक पारदर्शी और कार्यकुशल बनाने के लिए लगातार मांग की जा रही है।''

सरकार वक्फ बोर्ड को नियंत्रित करने वाले 1995 के कानून में संशोधन करने के लिए संसद में एक विधेयक लाने वाली है ताकि इनके कामकाज में अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके तथा इन संस्थाओं में महिलाओं की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित हो सके। वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने वाला विधेयक वक्फ बोर्ड के लिए अपनी संपत्तियों का वास्तविक मूल्यांकन सुनिश्चित करने को लेकर जिलाधिकारियों के पास पंजीकरण कराना अनिवार्य कर देगा। देश में 30 वक्फ बोर्ड हैं।

सूत्रों ने बताया कि सभी वक्फ संपत्तियों से प्रति वर्ष 200 करोड़ रुपए का राजस्व आने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि हालांकि यह वक्फ के पास मौजूद संपत्तियों की संख्या के अनुरूप नहीं है।

प्रदूषण घटाने में शून्य अभियान मददगार, भविष्य में दायरा बढ़ाया जाएगा : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने कहा शून्य प्रदूषण गतिशीलता को लेकर 2021 में शुरू 'शून्य' अभियान से प्रदूषण कम करने और 597 करोड़ रुपए के ईंधन की बचत करने में मदद मिली है। राज्यसभा में पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए, केंद्रीय योजना मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि इस पहल में और अधिक इलेक्ट्रिक वाहन लाने का प्रयास किया जाएगा, क्योंकि वर्तमान में इसमें केवल 'डिलीवरी सिस्टम' और 'राइड-हेलिंग' शामिल है।

राइड-हेलिंग का मतलब है किसी गंतव्य तक जाने के लिए वाहन को ऑनलाइन बुक करना, जो आमतौर पर ऐप के ज़रिए होता है। सिंह ने सदन को सूचित किया कि 200 से अधिक कॉर्पोरेट भागीदारों ने इस पहल में सहयोग किया है और अप्रैल 2024 तक इलेक्ट्रिक वाहनों से लगभग 57.4 करोड़ यात्रा की है। मंत्री ने कहा, इससे पार्टिकुलेट मैटर प्रदूषण में 11.5 टन, नाइट्रोजन ऑक्साइड प्रदूषण में लगभग 408 टन, कार्बन डाइऑक्साइड प्रदूषण में 61,000 टन की कमी आई है।

OLA ELECTRIC

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के आईपीओ को दूसरे दिन पूर्ण अभिदान मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के दूसरे दिन ही पूर्ण अभिदान मिल गया। खुदरा और गैर-संस्थागत निवेशकों की अच्छी मांग देखी गयी।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार आरंभिक शेयर बिक्री के तहत कुल 49,43,63,610 शेयरों के लिए बोलियां आई जबकि बिक्री के लिए 46,51,59,451 शेयर रखे गये थे। यानी 1.06 गुना अभिदान मिला।

खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों की श्रेणी में 2.87 गुना अभिदान मिला जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों के मामले में 1.11 गुना बोलियां आई। वहीं पात्र संस्थागत खरीदारों की श्रेणी में 40 प्रतिशत अभिदान मिला।

आईपीओ के तहत 5,500 करोड़ रुपए तक के नए शेयर और 8,49,41,997 इक्विटी शेयर बिक्री पेशकश के अंतर्गत रखे गये हैं। कीमत दायरा 72 से 76 रुपए प्रति शेयर है।

निर्गम आवेदन के लिए छह अगस्त तक खुला रहेगा।

हमें विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए मजबूर न करें: जरांगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालना/भाषा। मराठा आरक्षण के लिए संघर्ष करने वाले कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने कहा कि उन्हें उन उम्मीदवारों के बारे में जानकारी मिल गई है जिन्हें वह अक्टूबर में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए संभावित रूप से मैदान में उतार सकते हैं। उन्होंने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि 29 अगस्त को समुदाय के नेताओं की एक बैठक होगी, जिसमें 288 सदस्यीय विधानसभा के चुनावों में उम्मीदवारों को मैदान में उतारने का फैसला किया जाएगा।

जरांगे ने दोहराया कि वह और उनके समर्थक राजनीति में नहीं आना चाहते हैं, लेकिन अगर राज्य सरकार मराठा समुदाय की आरक्षण मांगों को स्वीकार करने में विफल रहती है तो उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि समुदाय को कुनबी प्रमाण पत्र दिया जाना चाहिए ताकि वे ओबीसी समुदाय के तहत आरक्षण का लाभ उठा सकें। जरांगे ने कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता नारायण राणे का सम्मान करते हैं, क्योंकि उन्होंने समुदाय को 16 प्रतिशत आरक्षण दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसे बाद में अदालतों ने रद्द कर दिया था।

आरक्षण कार्यकर्ता ने कहा, ''हालांकि, उन्हें और उनके बेटे नितेश राणे को उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इशारे पर काम नहीं करना चाहिए। अगर वे ऐसा ही करते रहेंगे तो मराठा समुदाय उन्हें कभी माफ नहीं करेगा।'' जरांगे ने कहा कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे को भी अपने ''सागर बंगले वाले दोस्त'' (फडणवीस और दक्षिण मुंबई में उनके आधिकारिक आवास की ओर संकेत) को मराठों की आरक्षण संबंधी मांगों का विरोध न करने की सलाह देनी चाहिए। इस बीच, एक अन्य आरक्षण कार्यकर्ता नवनाथ वाघमरे ने राज्य सरकार को ओबीसी से मराठों को आरक्षण देने के खिलाफ चेतावनी दी।

इस मुद्दे पर कांग्रेस की जालना जिला इकाई के अध्यक्ष शेख महमूद ने कहा कि एकनाथ शिंदे सरकार इस मुद्दे को हल करने में विफल रही है। उन्होंने दावा किया, ''इसका असर लोकसभा चुनावों पर देखा गया है और विधानसभा चुनावों पर भी असर देखने को मिलेगा।'' भाजपा नेता अशोक पांगारकर ने दावा किया कि उनकी पार्टी आरक्षण के मुद्दे पर फैलाई जा रही गलत सूचनाओं को दूर करेगी। उन्होंने कहा, ''लोकसभा चुनावों के बाद भाजपा ने आत्मचिंतन किया है। मराठा आरक्षण मुद्दा फीका पड़ता जा रहा है और इसका भविष्य के चुनावों पर बहुत कम प्रभाव पड़ेगा।''

अकाल तख्त के जत्थेदार को पत्र लिखकर सुखबीर बादल ने 'सभी गलतियों' के लिए बिना शर्त माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने अकाल तख्त जत्थेदार को पत्र लिख पार्टी के सत्ता में रहने के दौरान की गई ''सभी गलतियों'' के लिए बिना शर्त माफी मांगी है। पत्र में सुखबीर बादल ने कहा कि वह गुरु के एक विनम्र सेवक हैं और हमेशा गुरु ग्रंथ साहिब और अकाल तख्त के प्रति समर्पित हैं।

पंजाब के उपमुख्यमंत्री रह चुके सुखबीर ने कहा, ''हमारे खिलाफ जो कुछ भी लिखा गया है, मैं गुरु के तख्त के सामने खुद को पेश करता हूं और 'गुरु साहिब' और 'गुरु पंथ' से बिना शर्त माफी मांगता हूं।'' परिवार के मुखिया के तौर पर वह सभी ''गलतियों'' की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले रहे हैं। बादल ने कहा, ''चाहे ये गलतियां पार्टी की ओर से हों या सरकार की ओर से, मैं इन सभी गलतियों के लिए माफी मांगता हूं, जो जानबूझकर या अनजाने में हुईं।'' अमृतसर स्थित अकाल तख्त सचिवालय ने सोमवार को तीन पृष्ठों के उस पत्र की प्रति जारी की, जिसे बादल ने 24 जुलाई को बागी नेताओं के आरोपों के संबंध में अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह को सौंपा था। अकाल तख्त सचिवालय के एक अधिकारी ने कहा कि पांच सिंह साहिबान बादल के पत्र पर निर्णय लेने के लिए आगामी दिनों में एक बैठक बुलाएंगे। शिअद के बागी नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद जत्थेदार ने बादल को सिखों की सर्वोच्च धार्मिक पीठ के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए कहा था, जिसके बाद उन्होंने स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया। पूर्व सांसद प्रेम सिंह चंदूमाजरा और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की पूर्व प्रमुख बीबी जागीर कौर सहित शिरोमणि अकाली दल के बागी नेता 1 जुलाई को जत्थेदार के समक्ष पेश हुए और 2007 से 2017 के बीच पार्टी के शासन के दौरान की गई ''चार गलतियों'' के लिए माफी मांगी।

वायनाड आपदा अवैध मानव बस्तियों के विस्तार, खनन गतिविधियों का परिणाम : भूपेंद्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को कहा कि केरल सरकार ने राज्य के पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्र में अवैध मानव बस्तियों के विस्तार और खनन गतिविधियों की अनुमति दी, जिसके चलते वायनाड जिले में विनाशकारी भूस्खलन हुए।

मंत्री ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा कि पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्र संबंधी अधिसूचना पर राज्यों के साथ परामर्श शीघ्र पूरा किया जाना चाहिए। पर्यावरण मंत्रालय ने छह राज्यों में फैले 56,800 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल वाले पश्चिमी घाट को पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्र घोषित करने के लिए 10 मार्च 2014 से छह मसौदा अधिसूचनाएं जारी कीं। इनमें से एक मसौदा अधिसूचना 31 जुलाई को जारी की गई। लेकिन राज्यों की ओर से आपत्तियों के बीच, अंतिम अधिसूचना लंबित है।

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि इसमें सफलता हासिल करने के लिए अप्रैल 2022 में एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई जो राज्यों के साथ निरंतर संपर्क में है। उन्होंने कहा, ''चूंकि वनों का मालिकाना हक राज्यों के पास है, इसलिए हमने उनसे अपनी आपत्तियां और सुझाव पूर्व वन महानिदेशक की अध्यक्षता वाली समिति को सौंपने को कहा था। स्थानीय हितधारकों के साथ भी परामर्श किया जाना चाहिए। ऐसा करने के बजाय, (केरल में) अवैध मानव बस्तियों के विस्तार और खनन की अनुमति दी गई जिसके परिणामस्वरूप (वायनाड में) यह प्राकृतिक आपदा आई।''

उन्होंने कहा, पश्चिमी घाट हिमालय पर्वतमाला की तरह ही देश में सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्र है। ऐसे क्षेत्रों में आपदाओं की रोकथाम के लिए गंभीर प्रयास किये जाने चाहिए और इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी केरल सरकार की भी है।

पिछले सप्ताह, केंद्र ने केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड के 13 गांवों सहित छह राज्यों में पश्चिमी घाट के 56,800 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ईएसए) घोषित करने के लिए छठी मसौदा अधिसूचना जारी कर 60 दिनों के भीतर सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं।

अधिसूचना 31 जुलाई को जारी की गई थी, जिसके एक दिन पहले वायनाड में भूस्खलन की घटनाओं में 300 से अधिक लोगों की मौत हुई।

राज्य और अन्य जगहों के वैज्ञानिकों ने इस आपदा के लिए वन क्षेत्र का घटना, पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में खनन और जलवायु परिवर्तन के संयुक्त प्रभावों को जिम्मेदार ठहराया है।

मसौदा अधिसूचना में केरल के 9,993.7 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील घोषित करने का प्रस्ताव है, जिसमें भूस्खलन प्रभावित जिले के दो तालुका के 13 गांव शामिल हैं। इन 13 गांवों में मनंथावाडी तालुका में पेरिया, थिरुनेली, थोंडरनाड, त्रिसिलेरी, किदांगनाड और नूलपुझा और विथिरी तालुका में अचूरनम चुंडेल, कोट्टापडी, कुन्नाथिदावका, पोझुथाना, थारियोड और वेल्लारीमाला शामिल हैं। हालिया भूस्खलन में विथिरी तालुका के मुंडक्कई, चूरलमाला और अट्टामाला गांव प्रभावित हुए, जिन्हें मसौदा अधिसूचनाओं में शामिल नहीं किया गया है।

कुल मिलाकर, अधिसूचना में 56,825.7 वर्ग किमी क्षेत्र को पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील घोषित करने का प्रस्ताव है, जिसमें गुजरात में 449 वर्ग किमी, महाराष्ट्र में 17,340 वर्ग किमी, गोवा में 1,461 वर्ग किमी, कर्नाटक में 20,668 वर्ग किमी, तमिलनाडु में 6,914 वर्ग किमी और केरल में 9,993.7 वर्ग किमी क्षेत्र शामिल है।

वायनाड भूस्खलन : कुछ गैरकानूनी हुआ तो कार्रवाई हो : शशि थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने सोमवार को कहा कि अगर वायनाड की प्राकृतिक आपदा किसी अवैध गतिविधि के कारण हुई तो कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन अभी मनोवैज्ञानिक आघात से जूझ रहे प्रभावित लोगों को खयाल करने और सहानुभूति प्रकट करने की जरूरत है।

थरूर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव की उस टिप्पणी का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि केरल सरकार ने राज्य के पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में ''अवैध आवास विस्तार और खनन'' की अनुमति दी, जिसके परिणामस्वरूप वायनाड जिले में विनाशकारी भूस्खलन हुआ।

थरूर ने 'पीटीआई-वीडियो' को बताया, अगर कुछ गैरकानूनी हुआ है तो निश्चित रूप से माफ नहीं किया जाना चाहिए और कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, अब सबसे बड़ी चिंता जीवित बचे लोगों की देखभाल करना, उनका इलाज करना है, क्योंकि उनका घाव केवल शारीरिक नहीं हैं, बल्कि मानसिक भी है। वे भयानक मनोवैज्ञानिक आघात से गुजरे हैं। इन सभी के प्रति ख्याल करने और सहानुभूति की आवश्यकता है।

केरल भूस्खलन

बचाव कर्मियों के लिए ड्रोन से भेजा जा रहा भोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल के वायनाड में भूस्खलन की त्रासदी में जीवित बचे लोगों और मृतकों के शवों की चुनौतीपूर्ण तलाश जारी रहने के बीच प्राधिकारी प्रभावित क्षेत्रों में भोजन पहुंचाने के लिए पारंपरिक संसाधनों की बजाय मानव रहित ड्रोन की मदद ले रहे हैं। जीवित बचे लोगों की तलाश में खतरनाक इलाकों में खोज कर रहे सैकड़ों कर्मियों के लिए भी भोजन के पैकेट पहुंचाने के लिए प्राधिकारियों ने आधुनिक ड्रोन का इस्तेमाल किया है। ये ड्रोन एक बार में 10 लोगों के लिए भोजन के पैकेट ले जा सकते हैं।

सोमवार को यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, बचाव कर्मियों के लिए एक त्वरित भोजन एवं पानी वितरण प्रणाली स्थापित की गई है। भारी उपकरण और मशीनें चलाने वाले कर्मियों को भोजन की सीधी आपूर्ति ड्रोन के जरिये संभव हुई है। इसमें कहा गया है कि बचावकर्मियों के लिए भोजन मेप्पडी पॉलिटेक्निक में संचालित सामुदायिक रसोई में तैयार किया जा रहा है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि खाद्य सुरक्षा विभाग की देखरेख में केरल होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशन प्रतिदिन लगभग सात हजार भोजन के पैकेट तैयार कर रहा है, जिन्हें जरूरतमंदों में वितरित किया जाता है। रविवार शाम तक के सरकारी आंकड़े के अनुसार, 30 जुलाई के भूस्खलन में अब तक कुल 221 शव और 166 मानव अंग बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि पूर्व में लापता लोगों की संख्या 206 थी, लेकिन कुछ लोगों से अधिकारियों ने फोन से संपर्क किया जिससे लापता लोगों की संख्या अब 180 हो गई है।

वायनाड भूस्खलन पीड़ितों का दावा : चोर उनके घरों से सामान चुरा रहे

वायनाड। केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन से तबाह हुए गांवों के निवासियों का कहना है कि प्राकृतिक आपदा की वजह से वे जान बचाने के लिए मजबूरन अपने घर छोड़कर अन्यत्र गए, लेकिन चोर राज्य के सबसे बड़े मानवीय संकट का फायदा उठाकर उनके घरों से सामान चुरा रहे हैं। बार-बार मिल रही इन शिकायतों के बाद पुलिस ने रात में गश्त बढ़ा दी है। कुछ प्रभावित लोगों ने अधिकारियों से चोरी करने के इरादे से रात में इलाके में घुसने वालों की पहचान करने और उन्हें दंडित करने का आग्रह किया है। एक प्रभावित व्यक्ति ने संवाददाताओं से कहा, हम इस त्रासदी में अपना सब कुछ खो चुके हैं। हमने भूस्खलन के बाद अपनी जान बचाने के लिए अपने घर छोड़े और सुरक्षित जगहों पर गए। बाद में जब हम अपने घरों को देखने के लिए लौटे, तो हमें दरवाजे टूटे हुए मिले। व्यक्ति ने यह भी शिकायत की कि भूस्खलन प्रभावित कई लोग अभी रिजॉर्ट के कमरों में रह रहे हैं, लेकिन चोरों ने उन्हें वहां भी नहीं बख्शा और उनके कपड़े चुरा ले गए। अधिकारियों का कहना है कि चूरलमाला और मुंडक्कई सहित आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस गश्त शुरू कर दी गई है। एक बयान में कहा गया है, रात में बिना अनुमति के प्रभावित इलाकों या पीड़ितों के घरों में प्रवेश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बयान के अनुसार, किसी को भी रात में पुलिस की अनुमति के बिना प्रभावित इलाकों या घरों में, बचाव अभियान के नाम पर या किसी और बहाने से, प्रवेश करने की अनुमति नहीं है।

वायनाड में अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जान बचाने वाला 'सुपर हीरो' अब खुद लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल के वायनाड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र मुंडक्कई में स्थानीय युवक प्रजीश ने अपनी जीप को दो बार खतरनाक पहाड़ी रास्ते से ऊपर तक पहुंचाया और कई असहाय लोगों को लेकर वापस लौटा, लेकिन अब वह खुद ही लापता हो गया है। इससे पहले कि वह सुरक्षित स्थान पर पहुंच पाता, उसे तीसरे 'मिशन' के लिए फोन आया। तीसरे मिशन पर निकला, 'सुपर हीरो' के नाम से लोकप्रिय यह स्थानीय व्यक्ति अब खुद ही गायब है। चूरलमाला में उसकी क्षतिग्रस्त जीप देखी गई, जिससे बुरी खबर की आशंका के साथ-साथ अच्छी खबर की उम्मीद भी हुई।

अपनी जान जोखिम में डालकर, प्रजीश ने तीसरी बार जीप को पहाड़ी पर चढ़ाया, लेकिन वह बीच रास्ते में ही तेज बाढ़ के पानी, कीचड़ और पहाड़ों से लुढ़कते विशाल पत्थरों के बीच फंस गया। यह प्रजीश की हृदय विदारक कहानी है, जो एक बचाव अभियान से जुड़ा और कई लोगों की जिंदगियां बचाई थीं। भारी मन और नम आंखों के साथ चूरलमाला गांव के लोग अब प्रजीश को अपना 'सुपर हीरो' कहते हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि भूस्खलन प्रभावित चूरलमाला का प्रजीश हर किसी की मदद करने के लिए तत्पर रहने की अपनी आदत के कारण ग्रामीणों के बीच पहले से ही लोकप्रिय था। एक ग्रामीण ने बताया कि मुंडक्कई गांव में पहली बार भूस्खलन की घटना के बारे में सुनने के बाद, प्रजीश अपने जोखिम पर दो बार पहाड़ी पर चढ़े और वहां फंसे कई लोगों के साथ वापस आ गए।

ग्रामीण ने कहा, इसके बाद वह अपने परिवार के साथ सुरक्षित स्थान पर जाने वाला था। अचानक उसे एक और फोन आया, जिसके बाद वह फिर से पहाड़ी पर चढ़ गया... लेकिन इस बार वह वापस नहीं लौटा। प्रजीश की क्षतिग्रस्त जीप बाद में चूरलमाला कस्बे में मिली। इसके बाद प्रजीश को किसी ने नहीं देखा। एक अन्य ग्रामीण ने कहा कि प्रजीश गांव में होने वाली सभी गतिविधियों में अनिवार्य रूप से शामिल रहता था और सभी का पसंदीदा था।

उन्होंने कहा, ''चाहे शादी हो या अंतिम संस्कार, वह शुरू से अंत तक मौजूद रहता था। कई अन्य लोगों की तरह, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मेरी भी बहुत मदद की, खासकर मेरी बेटी की शादी के दौरान।''

प्रजीश के दोस्तों ने बताया कि जब वह तीसरी बार अपनी यात्रा पर निकला था, तो उन्होंने उसे पहाड़ी पर न जाने की चेतावनी दी थी। लेकिन उसने उनकी बात नहीं मानी और कहा कि मुंडक्काई में और भी लोग फंसे हुए हैं और वह उन्हें बचाना चाहता है। केरल के वायनाड के गांवों में पिछले सप्ताह हुई भूस्खलन की घटनाओं में मरने वालों की संख्या 222 तक पहुंच गई है। राज्य सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, कुल मृतकों में 97 पुरुष, 88 महिलाएं और 37 बच्चे शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि 222 मृतकों में से 172 की पहचान उनके रिश्तेदारों ने कर ली है।

स्तनपान हेल्पलाइन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत चेन्नई में सोमवार को सीतापती अस्पताल ने नई माताओं के लिए नि:शुल्क स्तनपान परामर्श हेल्पलाइन सेवा शुरु की है। जागरूकता गतिविधियों के तहत नि:शुल्क स्तनपान परामर्श हेल्प लाइन नं. 7305644465 की शुरुआत की गई। सीतापती अस्पताल की चाइल्डबर्थ एजुकेटर और लैक्टेशन कंसल्टेंट रेखा सुदर्शन ने स्तनपान पर बल दिया।

उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाने का समय अभी नहीं आया है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को स्वीकार किया कि पार्टी के भीतर उनके बेटे और खेल मंत्री उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाने के लिए आवाज तेज हो गई है, लेकिन संकेत दिया कि इसके लिए अभी उचित समय नहीं आया है।

यहां आधिकारिक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत के दौरान स्टालिन से जब पूछा गया कि पार्टी के भीतर एक वर्ग से उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग जोर पकड़ रही है और क्या वह इस पर विचार करेंगे, उन्होंने कहा, यह मांग जोर पकड़ रही है लेकिन अभी इस पर अमल का वक्त नहीं आया है। मुख्यमंत्री यह संकेत देते दिखे कि उदयनिधि को आगे बढ़ाने का सही समय अभी नहीं आया है। कुछ समय से पार्टी में यह उम्मीद जताई जा रही है कि उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा। उदयनिधि खेल एवं युवा कल्याण मंत्री होने के अलावा विशेष कार्यक्रम कार्यान्वयन जैसे महत्वपूर्ण विभाग का भी कार्यभार संभालते हैं। वह चेन्नई मेट्रो रेल चरण-2 जैसी प्रमुख परियोजनाओं के निरीक्षण और कार्यान्वयन की समीक्षा करते हैं।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नई दिल्ली में सोमवार को तमिलनाडु भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई के नेतृत्व में मछुआरों के एक प्रतिनिधि मंडल ने केन्द्रीय विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। मंत्री जयशंकर ने एक बैठक के दौरान इन सभी की समस्याओं को सुना और समाधान का आश्वासन दिया।

राज्यपाल के मुख्यमंत्री पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने पर कांग्रेस सरकार कानूनन लड़ेगी : परमेश्वर

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को उम्मीद जताई कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत 'मैसूरु नगर विकास प्राधिकरण (मुडा) भूखंड घोटाले' के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को जारी 'कारण बताओ' नोटिस पर कैबिनेट की सलाह को खारिज नहीं करेंगे। परमेश्वर ने कहा कि अगर राज्यपाल कैबिनेट की सलाह को नकारते हैं और मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देते हैं, तो कांग्रेस सरकार कानूनी तौर पर लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने कहा, मंत्रिमंडल के तौर पर हमने राज्यपाल को अपना कारण बताओ नोटिस वापस लेने तथा कार्यकर्ता टीजे अब्राहम की सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की याचिका को खारिज करने की सलाह दी है। मुझे उम्मीद है और मुझे नहीं लगता कि राज्यपाल ऐसा (मुकदमा चलाने की मंजूरी) करेंगे। यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए परमेश्वर ने कहा, उनके (राज्यपाल के) पास कुछ शक्तियां हो सकती हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता है कि वह इतनी आसानी से कैबिनेट की सलाह को खारिज कर देंगे।

खस्ताहाल सड़कों पर चलने को मजबूर है पूझलवासी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। माधावरम के पूझल इलाके के प्रवासी खस्ताहाल सड़कों पर चलने को मजबूर हैं। इलाके के लोगों ने सड़को की दयनीय स्थिति के संबंध में स्थानीय प्रशासन को कई बार अवगत करवाया परंतु अभी तक उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंगी है। स्थानीय निवासी एस. अशोक मोदी ने बताया कि इस इलाके में सड़कों की स्थिति काफी दयनीय है सड़के कच्ची ऊबड़ खाबड़ एवम गड्ढे युक्त हैं। जिस पर चलना काफी जोखिम भरा होता है। बारिश के दिनों में तो स्थिति और भी बदतर हो जाती है। उन्होंने बताया कि बारिश की दिनों में सड़कों पर बने गड्ढों में पानी भर जाने के कारण दोपहिया वाहन चालक प्राय: दुर्घटना के शिकार होते रहते हैं बावजूद इसके प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं देता। उन्होंने बताया कि वह व्यक्तिगत रूप से स्थानीय राजमार्ग विभाग के अधिकारियों से मिलकर इस संदर्भ में कई बार शिकायत कर चुके हैं परंतु अभी तक विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने बताया कि इलाके में बड़ी तादाद में प्रवासियों की दुकान, कार्यालय, फैक्ट्रियां हैं जिसके कारण उनकी आवाजाही इलाके में दिन-रात बनी रहती है गड्ढे युक्त सड़कों के कारण अधिकतर वही लोग दुर्घटना के शिकार होते हैं उन्होंने आगे बताया कि रोड की दयनीय स्थिति के कारण यहां यातायात जाम की समस्या भी अनवरत बनी रहती है। उन्होंने कहा कि यदि राजमार्ग विभाग माधवाराम बायपास रोड से आरटीओ रेड हिल्स रोड तक एक फ्लावर का निर्माण कर दे जिसकी मांग काफी दिनों से स्थानीय लोगों द्वारा की जा रही है तो इस इलाके के लोगों को यातायात जाम से काफी राहत मिल सकती है। उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में स्थानीय प्रशासन के साथ-साथ केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री को भी पत्र लिखकर उपरोक्त समस्या से अवगत करवाने का प्रयास किया गया है।

उम्मीद है कि प्रशासन से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी और समस्या का समुचित समाधान होगा। जिससे इस इलाके के लोगों को जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी।

टोंक और पाली सहित कई जिलों में अत्यधिक भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के टोंक, पाली, बूंदी और भीलवाड़ा जिले में कई स्थानों पर बीते चौबीस घंटे के दौरान अत्याधिक भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने कई जगह अति भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य में मानसून की बारिश का दौर जारी है। सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे तक चौबीस घंटे के दौरान टोंक के नगरफोर्ट में 321 मिलीमीटर (मिमी) व दूनी में 219 मिमी, पाली के सोजत में 261 मिमी, बूंदी के हिंडोली में 217 मिमी तथा भीलवाड़ा के जहाजपुर में 213 मिमी बारिश हुई जो अत्यधिक भारी बारिश श्रेणी में आती है।

इसी दौरान बाड़मेर के कल्याण में 190 मिमी, अजमेर के सरवाड़ में 181 मिमी, अजमेर के केकड़ी में 180 मिमी, अजमेर के गेवल में 166 मिमी, अजमेर के मांगलियावास में 155 मिमी, झालावाड़ के बकानी में 133 मिमी,बारां के किशनगंज में 158 मिमी अति भारी बारिश हुई। मौसम केंद्र के अनुसार मध्य प्रदेश के ऊपर बना 'डीप डिप्रेशन' आज पूर्वी राजस्थान में पहुंच गया है तथा कमजोर होकर 'डिप्रेशन' (अवदाब) में परिवर्तित हो गया है। इसके आगामी 24 घंटे में और धीरे-धीरे पश्चिमी राजस्थान की तरफ आगे बढ़ने तथा औार कमजोर होने की संभावना है।

इस तंत्र के प्रभाव से आज सोमवार को अजमेर, पाली, राजसमंद, जालौर, सिरोही, नागौर, जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर जिलों में भारी व कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने की संभावना है। पाली, नागौर, जोधपुर जिलों में एक-दो स्थानों पर अत्यंत भारी बारिश (200 मिमी से अधिक) होने की संभावना है। वहीं आज भरतपुर, जयपुर, कोटा और बीकानेर संभाग के अधिकांश जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है।इसके अनुसार अजमेर, जोधपुर व बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भारी बारिश का दौर छह अगस्त को भी जारी रहने की संभावना है। इस दौरान जोधपुर संभाग में कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने की संभावना है। रेलवे के जोधपुर मंडल के केरला-पाली मारवाड यार्ड के मध्य जल भराव हो जाने के कारण रेल यातायात प्रभावित हुआ है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार इसके कारण गाड़ी संख्या 14821 जोधपुर-साबरमती व गाड़ी संख्या 12462 साबरमती-जोधपुर पांच अगस्त को रद्द रहेगी। इसी तरह कई ट्रेन आंशिक रूप से रद्द की गई हैं और कुछ को मार्ग परिवर्तित कर चलाया जा रहा है।

भारी बारिश के कारण राजस्थान में रेल यातायात प्रभावित

जयपुर। राजस्थान में जोधपुर मण्डल के केरला-पाली मारवाड यार्ड एवं बिलाडा-पीपाड रोड के मध्य पानी भराव हो जाने के कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाडी संख्या 04879, बाडमेर-मुनाबाव स्पेशल रेलसेवा पांच अगस्त को रद्द रहेगी। गाडी संख्या 04880, मुनाबाव- बाडमेर स्पेशल रेलसेवा, गाडी संख्या 04881, बाडमेर-मुनाबाव स्पेशल रेलसेवा, गाडी संख्या 04882, मुनाबाव- बाडमेर स्पेशल रेलसेवा एवं गाडी संख्या 04844, बाडमेर-जोधपुर स्पेशल रेलसेवा छह अगस्त को रद्द रहेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 19224, जम्मूतवी-गांधीनगर कैपिटल रेलसेवा चार अगस्त को जम्मूतवी से प्रस्थान की है वह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग लूनी-समदडी -भीलडी-पाटन-अहमदाबाद होकर संचालित होगी। गाडी संख्या 16312, कोचुवेली-श्रीगंगानगर रेलसेवा चार अगस्त को काचुवेली से प्रस्थान की है वह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग मारवाड जं-अजमेर-फुलेरा-मेडता रोड होकर संचालित होगी।

रेलवे पटरियों पर बड़े पत्थर गिरने से मालगाड़ी हुई बेपटरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान में उत्तर पश्चिमी रेलवे के अजमेर मंडल के अधीन ब्यावर जिले में रायपुर के निकट रेलवे पटरियों पर पहाड़ से बड़े पत्थर गिरने से एक मालगाड़ी बेपटरी हो गई। गनीमत रही की हादसे में किसी तरह के जन-धन हानि नहीं हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्यावर के हरीपुर रेलवे स्टेशन से करीब 20 किलोमीटर दूर अमरापुरा- सेंदड़ा के बीच भारी बारिश के दौरान मालगाड़ी पर पहाड़ से पत्थर टूटकर गिर गए। इससे मालगाड़ी का इंजन एवं एक डिब्बा पटरी से उतर गये। उक्त घटना सोमवार सुबह नौ बजे हुई। रायपुर क्षेत्र में भारी बारिश के दौरान ट्रैक पर पहाड़ के बड़े पत्थर टूटकर गिर गए। इससे वहां से गुजर रही मालगाड़ी का इंजन और डिब्बे पटरी से उतर गए। पटरी को भी काफी नुकसान हुआ है। प्रकृति जनित इस हादसे की सूचना के बाद सेंदड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही रेलवे के अधिकारियों को हादसे की जानकारी मिलने के बाद अजमेर से राहत एवं बचाव दल को ट्रेक दुरुस्त करने के लिए मौके पर रवाना किया गया है। उल्लेखनीय है कि उक्त रेलमार्ग पहाड़ी के नजदीक हैं अजमेर-ब्यावर जिले में अलसुबह से ही चल रही तेज बरसात के कारण जहाँ जनजीवन अस्तव्यस्त है, वहीं प्रकृति के चलते रेल बेपटरी हुई है।

युवाओं को रोजगार उन्मुख बनाने के लिए स्टेट स्किल पॉलिसी और उद्योगों के विकास के लिए नई उद्योग नीति की कार्यवाही प्रक्रियाधीन : राठौड़

जयपुर। राजस्थान उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि युवाओं में कौशल क्षमता का विकास कर उन्हें रोजगार उन्मुख बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा स्टेट स्किल पॉलिसी बनाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। राठौड़ प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से वर्तमान में प्रचलित पाठ्यक्रमों को प्रासंगिक बनाते हुये प्रदेश में दो वर्षों की अवधि में एक लाख 50 हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्योगों के विकास और युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा नई उद्योग पॉलिसी बनाने की कार्यवाही भी प्रक्रियाधीन है।

औद्योगिक क्षेत्रों में किसी इकाई द्वारा उत्पादन बंद करने पर उसके विरुद्ध कार्रवाई करने का रीको को अधिकार नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि नियमों में सुधार करते हुए राज्य सरकार द्वारा रीको के लिए नई नीति लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि मनोहर थाना विधानसभा क्षेत्र में 1700 युवाओं को रोजगार के लिए प्रशिक्षण दिया गया है, जिसमें से 680 लोगों को विधानसभा क्षेत्र के बाहर रोजगार मिला है। इससे पहले विधायक गोविन्द प्रसाद के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उद्योग मंत्री ने कहा कि जी विधानसभा क्षेत्र मनोहर थाना में सात स्टोन क्रेशर इकाइयां कार्यरत हैं, जिनमें 58 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया जा रहा है। एक फूड प्रोसेसिंग इकाई कार्यरत है, जिसमें लगभग 200 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त लकड़ी फर्नीचर, फ्रेब्रीकेशन, होटल, रेस्टोरेंट, टेंट हाउस, लाइट डेकोरेशन, इलेक्ट्रिक रिपेयरिंग, मसाला उद्योग इत्यादि छोटे-छोटे उद्यम स्थापित हैं जिनमें लगभग 700 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया जा रहा है।

पूजा अर्चना

जयपुर में सोमवार को भगवान शिव की उपासना को समर्पित पवित्र श्रावण मास के तृतीय सोमवार को पूजा अर्चना करती पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे।

राजस्व रिकार्ड के डिजीटलाईजेशन के दौरान नक्शों में दर्ज गलत तरमीमों का किया जा रहा है शुद्धिकरण : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) के तहत नक्शों में दर्ज गलत तरमीमों का शुद्धिकरण तहसीलदार तथा उपखण्ड अधिकारी के माध्यम से किया जा रहा है। मीणा प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। इसके लिए संबंधित जिला कलक्टरों को भी निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र ओसियां में डीआईएलआरएमपी नक्शों में दर्ज तरमीमों में त्रुटि सामने आई है। इस संबंध में आवेदनों का निस्तारण कर त्रुटियों को ठीक किया जा रहा है। जोधपुर जिला कलक्टर द्वारा इस संबंध में विशेष अभियान चलाने का प्रावधान भी किया गया है।

इससे पहले उन्होंने विधायक भैरा राम चौधरी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में कहा कि (डीआईएलआरएमपी) योजना के तहत विधानसभा क्षेत्र ओसियां के अन्तर्गत आने वाली तहसील औसियां, तिंवरी, तथा बावडी के समस्त ग्रामों के राजस्व रिकॉर्ड का डिजीटलाइजेशन के तहत सेग्रीगेशन (पृथक्करण) का कार्य पूर्ण कर जमाबंदियों को ऑनलाइन किया जा चुका है। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र ओसियां में राजस्व रिकार्ड के डिजीटलाईजेशन के दौरान नक्शों में दर्ज गलत तरमीमों के शुद्धिकरण के लिए प्राप्त आवेदन का तहसीलवार विवरण प्रस्तुत किया।

कांग्रेस विधायक भाकर सत्र से निलंबित, स्पीकर ने मार्शल बुलाकर बाहर निकालने का दिया आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा में सोमवार को शून्यकाल के दौरान कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की तरफ इशारा कर दिया। इससे नाराज देवनानी ने भाकर को शेष सत्र के लिए निलंबित कर दिया। स्पीकर ने मार्शल बुलाकर भाकर को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया, लेकिन कांग्रेस की महिला विधायकों ने भाकर को घेर लिया।

राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर के निलंबन को लेकर जबरदस्त हंगामा चल रहा है। शून्यकाल के दौरान मुकेश भाकर ने सदन में स्पीकर वासुदेव देवनानी की तरफ इशारा कर दिया। स्पीकर ने इससे नाराज होकर सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग को भाकर का निलंबन प्रस्ताव लाने के लिए कहा। गर्ग ने भाकर के निलंबन का प्रस्ताव पेश किया, जिसे पारित करवा दिया। प्रस्ताव पारित होते ही स्पीकर ने मार्शल को मुकेश भाकर को सदन से निकालने का आदेश दिया। इसके बाद कांग्रेस विधायक हंगामा करते हुए वेल में आ गए, जिसके बाद

स्पीकर ने सदन की कार्रवाई 3:29 बजे तक स्थगित कर दी।

दोबारा सदन जुटा तो कांग्रेस की महिला विधायकों ने भाकर को चारों तरफ से घेर लिया, ताकि मार्शल उन्हें सदन से बाहर नहीं ले जा सकें। हंगामा बढ़ता देख सदन की कार्रवाई एक बार फिर से 3:59 बजे तक स्थगित करनी पड़ गई।

पूरा मामला विधानसभा में लंच ब्रेक के बाद शुरू हुआ जब स्पीकर और नेता प्रतिपक्ष के बीच संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल के बेटे को सरकारी वकील बनाए जाने को लेकर तीखी नोकझोंक हो गई। जूली मामले पर चर्चा के लिए अड़ गए, जबकि स्पीकर ने कहा कि नियमों में आइए, कल व्यवस्था दूंगा। जूली ने कहा कि एक जुलाई से भारतीय न्याय संहिता लागू हो चुकी है, लेकिन सरकार ने 12 से ज्यादा सरकारी वकीलों की नियुक्ति सीआरपीसी के तहत कर दी है। ये संविधान का उल्लंघन है। इस पर सदन में चर्चा हो। मंत्री के बेटे को भी सरकारी वकील बना दिया है। जूली मामले पर चर्चा करवाना चाह रहे थे, लेकिन स्पीकर वासुदेव देवनानी ने इस मुद्दे को आगे अनुमति देने से इनकार कर दिया। कहा- पहले लिखित में दीजिए, आप कौन से नियम के तहत इस पर चर्चा कराना चाहते हैं। इस मामले में नेता प्रतिपक्ष की स्पीकर से नोकझोंक हो गई। इसके बाद नाराज कांग्रेस विधायकों ने वेल में आकर नारेबाजी शुरू कर दी। स्पीकर ने कहा- नियमों में आइए, कल व्यवस्था दूंगा। इसी बीच मुकेश भाकर ने हंगामा करने लगे। आरोप है कि भाकर ने इस दौरान स्पीकर की तरफ उंगुली से इशारा कर दिया। इसी के बाद पूरा विवाद बढ़ गया।

मुकेश भाकर को सदन से बाहर निकालने को लेकर मार्शल और कांग्रेस विधायकों के बीच जबरदस्त भिड़ंत हो गई। ऐसा मामला बहुत लंबे समय बाद सदन में देखने को मिला, जब किसी विधायकों को बाहर निकालने के लिए ऐसी नौबत आई हो। सदन तीसरी बार 3 बजकद 59 मिनट पर फिर से जुटा। सभापति संदीप शर्मा ने बीजेपी विधायक का नाम बोलने के लिए पुकारा। कांग्रेस विधायक पहले ही वेल में खड़े होकर नारेबाजी कर रहे थे। इस बीच सभापति ने मुकेश भाकर को सदन से बाहर जाने की चेतावनी दी। भाकर ने इसे अनदेखा कर दिया।

इस पर सभापति ने मार्शल बुला लिए। मार्शल अंदर आकर भाकर को ले जाने लगे तो कांग्रेस विधायक और उनके बीच जबरदस्त हाथापाई हो गई। इस मामला बढ़ता देख सभापति ने सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी, लेकिन कार्यवाही स्थगित होने के करीब 5 मिनट बाद तक भी मार्शल और कांग्रेस विधायकों के बीच भिड़ंत जारी रही। कई महिला कांग्रेस विधायकों ने सदन में मारपीट का आरोप लगाते हुए टूटी हुई चूड़िया लहराईं।

फैक्ट्री की दीवार ढहने से तीन मजदूरों की मौत, आठ घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में जोधपुर जिले के बोरानाडा क्षेत्र में सोमवार को एक फैक्ट्री की दीवार ढहने से तीन मजदूरों की मौत हो गई तथा आठ अन्य मजदूर घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में कल शाम से ही हो रही तेज बारिश के कारण बोरानाडा स्थित न्यू महालक्ष्मी फैक्ट्री में पानी भर गया था। आज तड़के करीब चार बजे फैक्ट्री की दीवार ढहकर वहां टीन शेड पर गिर गई। मृतकों में दो महिलाएं एवं एक पुरुष शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही नागर निगम की आपदा राहत टीम ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। तथा मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकाला। सभी घायलों को जोधपुर के एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में दो से तीन लोगों की हालत गंभीर बताई गई है। मृतकों की पहचान प्रतापगढ़ जिले के निवासी नंदू मीणा (45) , सुनीता (32) और मंजू (35) के रूप में हुई है।

पिछली सरकार ने प्रश्नपत्र लीक जैसे मामलों से युवाओं के सपनों को रौंदा : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को ईआरसीपी परियोजना और प्रश्न पत्र लीक को लेकर राज्य में कांग्रेस की पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने ईआरसीपी को लटकाने एवं भटकाने का काम किया वहीं प्रश्नपत्र लीक जैसे मामलों से युवाओं के सपनों को रौंदा गया। शर्मा ने रविवार को यहां एक सभा को संबोधित करते हुए पूर्व कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, पूर्ववर्ती सरकार ने ईआरसीपी को लटकाने एवं भटकाने का काम किया जबकि राज्य सरकार ने पूर्वी राजस्थान के किसानों के लिए पेयजल एवं सिंचाई के पानी की समस्या को दूर करने की दिशा में ईआरसीपी का मार्ग प्रशस्त किया है।

राज्य सरकार ने इस बजट में जन आकांक्षाओं को पूरे करने के साथ ही विकसित राजस्थान के संकल्प को सिद्ध करने की दिशा का निर्धारण किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी राजस्थान के किसानों के लिए पेयजल एवं सिंचाई के पानी की समस्या को दूर करने की दिशा में राज्य सरकार ने ईआरसीपी का मार्ग प्रशस्त किया है।

शर्मा दौसा के डूंगरपुर (राहुवास) में परिवर्तित बजट वर्ष 2024-25 में मिली सौगातों के लिए आयोजित धन्यवाद सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय प्रश्नपत्र लीक जैसे मामलों से युवाओं के सपनों को रौंदा गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने युवाओं के दर्द को समझते हुए पेपरलीक मामलों की त्वरित जांच के लिए एसआईटी का गठन किया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है एवं किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गरीब, युवा, किसान और महिलाओं के उत्थान के लिए समर्पित है। परिवर्तित बजट 2024-25 सभी वर्गों के लिए सर्वस्पर्शी एवं समावेशी बजट है।

राज्य सरकार ने इस बजट में जन आकांक्षाओं को पूरे करने के साथ ही विकसित राजस्थान के संकल्प को सिद्ध करने की दिशा का निर्धारण किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी राजस्थान के किसानों के लिए पेयजल एवं सिंचाई के पानी की समस्या को दूर करने की दिशा में राज्य सरकार ने ईआरसीपी का मार्ग प्रशस्त किया है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने डेढ़ महीने के अंदर ही संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना (एकीकृत पीकेसी-ईआरसीपी) का एमओयू किया है और इसे जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करने का रोड मैप बना लिया है। शर्मा ने कहा कि जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने ईआरसीपी को लटकाने एवं भटकाने का काम किया। यह परियोजना दौसा सहित पूर्वी राजस्थान के लिए वरदान साबित होगी, जिससे क्षेत्र में भरपूर पानी मिलेगा और कृषि उत्पादन बढ़ने के साथ यहां उद्योगों का भी विकास होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस वर्ष एक लाख पदों पर भर्तियां की जाएगी, जिससे युवाओं के सपने साकार हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध करवायेगी, जिससे प्रदेश का ओलंपिक खेलों में भी प्रतिनिधित्व बढ़ सके। इससे पहले मुख्यमंत्री ने पीपल वृक्ष का पौधरोपण किया।

कावड़ यात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब; शिवमय हुआ सवाई माधोपुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सवाई माधोपुर। जिला मुख्यालय के पुराने शहर में आज कावड़ यात्रा निकाली गई। कावड़ यात्रा में श्रद्धा का सैलाब उमड़ता नजर आया। कावड़ यात्री सोलेश्वर महादेव के यहां से अमृत जल लेकर प्रातः रवाना हुए और राम द्वारा आकर उन्होंने विश्राम किया। दोपहर बाद शहर के रामद्वारा से शुरू हुई कावड़ यात्रा शहर के खंडार तिराहे, सदर बाजार, पुलिस चौकी होते हुवे मुख्य मार्ग से गलता मन्दिर पहुँची। कावड़ यात्रा के दौरान पूरा शहर बम बम भोले और हर हर महादेव के जयकरों से गूंज उठा, इस दौरान डीजे के धुन पर शिव भक्त जमकर थिरकते नजर आए।

कावड़ यात्रा के दौरान वाराणसी से आए कलाकरों ने भगवान शिव के विभिन्न रूपों का स्वांग रचकर कावड़ यात्रा को और भी भव्य और आकर्षक बना दिया। कावड़ यात्रा के दौरान भगवान शिव के विभिन्न स्वरूपों के साथ ही शिव परिवार की सजीव झांकिया भी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही।

गौरतलब है कि हर वर्ष की भांति इस बार भी शहर विश्व हिंदू परिषद कावड़ यात्रा समिति द्वारा कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। कावड़ यात्रा शुरू होने से पुर्व 181 कावड़िये रणथंभौर स्थित सोलेश्वर महादेव पहुँचे और वहाँ से जल लेकर रामद्वारा आये। रामद्वारा में विश्राम करने के बाद रामद्वारा से गलता मन्दिर तक कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। कावड़ यात्रा के दौरान शहर में जगह जगह समाजसेवियों द्वारा यात्रा में शामिल लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। शहर के लोगों ने जगह जगह पुष्पवर्षा कर कावड़ यात्रा का स्वागत किया। शिव के विभिन्न स्वरूपों से सजी कावड़ यात्रा का नजारा देखने लायक था। कावड़ यात्रा में श्रद्धा का सैलाब इस कदर उमड़ा की बाजार में यात्रा के दौरान पैर रखने की भी जगह नहीं थी और पुरा शहर शिवमय नजर आया। इस दौरान पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था भी चाक चौबंद रही और पुलिस के आलाधिकारियों के साथ ही चप्पे चप्पे पर पुलिसकर्मी तैनात नजर आये। कावड़ यात्रा का सामान गलता मंदिर पहुंचकर हुवा, जहाँ प्रसादी वितरण की गई।

कार्यकर्ताओं की वजह से दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनी है भाजपा : राठौड़

जयपुर। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पदभार ग्रहण समारोह को सफल बनाने वाले संयोजक एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और उनका आभार व्यक्त किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पदभार ग्रहण समारोह के कुशल संचालन के लिए बनाई गई समितियों के संयोजक एवं उनकी टीम ने कम समय में काफी अच्छा कार्य कर पदभार ग्रहण समारोह को ऐतिहासिक बनाया।

राठौड़ ने कहा कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी देवतुल्य कार्यकर्ताओं की वजह से ही बनी हैं। भाजपा के कर्मठ और कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं की मेहतन के चलते राजस्थान और देश में भाजपा की सरकार बन पाई हैं।इस दौरान पदभार ग्रहण समारोह की व्यवस्था के लिए बनाई गई समितियों के संयोजक और कार्यकर्ताओं ने भी राठौड़ को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दी। इस दौरान भाजपा की प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर, प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, सहित भाजपा के पदाधिकारी और सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

सावन के तीसरे सोमवार को शिवालयों में उमड़ी आस्था; मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में किया रुद्राभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सावन माह के तीसरे सोमवार को गोरखपुर के मानसरोवर मंदिर में 'रुद्राभिषेक' और 'हवन' किया।

राज्य के विभिन्न शहरों में विभिन्न क्षेत्रों के भक्तों ने भगवान शिव के मंदिरों में पूजा–अर्चना की। प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने अंधियारी बाग स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक किया। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने भगवान शिव की पूजा करते हुए राज्य के लोगों की सुख–समृद्धि की कामना की। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन और आरती के साथ समारोह का समापन किया और राज्य के लोगों के स्वस्थ, सुखी, समृद्ध और शांतिपूर्ण जीवन की प्रार्थना की। वाराणसी में, सावन के तीसरे सोमवार को सुबह से ही काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों की भीड़ रही। मंगल आरती के बाद भक्तों को काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने की अनुमति दी गई। प्रयागराज में मनकामेश्वर मंदिर सहित भगवान शिव के सभी मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। सोमवार को पूरी संगम नगरी भगवान शिव के रंग में रंग गई और मंदिरों की घंटियों की आवाज फिजा में गूंजती रही। भोले बाबा को प्रसन्न करने के लिए भक्तों ने महादेव की पूजा की और उन्हें भांग, धतूरा, दूध, घी, पंचगव्य, पंचामृत, बेलपत्र, फूल, दही, चंदन, इत्र आदि अर्पित करके गंगा जल से अभिषेक किया। प्रयागराज स्थित राम नाम बैंक के संयोजक आशुतोष वार्ष्णेय ने सावन माह के महत्व के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, ''यह सावन का पवित्र महीना है। वैसे तो पूरा सावन माह भोलेनाथ की पूजा–अर्चना के लिए समर्पित होता है लेकिन शास्त्रों में सावन के सोमवार का बड़ा महत्व बताया गया है। सोमवार को व्रत रखने और भगवान शिव के साथ माता गौरी की विधि–विधान से पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।''

भगवान राम की नगरी अयोध्या में जगह–जगह 'ओम नम: शिवाय', 'हर हर महादेव' के जयकारे गूंजते रहे और श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा–अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया। सुबह से ही आस्था की लहर दिखाई दी और श्रद्धालुओं ने सरयू नदी में स्नान कर भगवान राम के पुत्र कुश द्वारा स्थापित सिद्धपीठ नागेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक किया। भोर से ही दर्शन–पूजन शुरू हो गए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए गये। सरयू नदी में स्नान करने और नागेश्वरनाथ पर जलाभिषेक करने के इच्छुक श्रद्धालुओं के लिए राम की पैड़ी पर छोटे–छोटे अवरोधक लगाए गए और शिव भक्तों को छोटे–छोटे समूहों में जलाभिषेक के लिए जाने दिया जा रहा है। राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया, ''आज सावन का तीसरा सोमवार है। रामनगरी में बड़ी संख्या में भगवान शिव के भक्त जुटे हैं।''

जम्मू-कश्मीर पर भाजपा की नीति 'कश्मीरियत' का सम्मान करने वाली नहीं : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद–370 को निष्प्रभावी बनाए जाने के पांच वर्ष पूरे होने के मौके पर सोमवार को आरोप लगाया कि इस केंद्र–शासित प्रदेश से जुड़ी भाजपा की नीति न तो 'कश्मीरियत' का सम्मान करने वाली है और न ही 'जम्हूरियत' (लोकतंत्र) को बरकरार रखने वाली है। खरगे ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित 30 सितंबर 2024 की समयसीमा के भीतर विधानसभा चुनाव कराए जाएं। केंद्र सरकार ने पांच अगस्त 2019 को संसद में विधेयक लाकर अनुच्छेद–370 को निष्प्रभावी बना दिया था, जो जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देता था। सरकार ने तत्कालीन जम्मू–कश्मीर राज्य को ''जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम'' के माध्यम से दो केंद्र–शासित प्रदेश–जम्मू–कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था। खरगे ने पोस्ट किया, ''जम्मू–कश्मीर व लद्दाख को लेकर भाजपा की नीति न तो 'कश्मीरियत' का सम्मान करने वाली है और न ही 'जम्हूरियत' को कायम रखने वाली है।''

लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों की समस्याओं का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टि परक समाधान किया जाए।

मुख्यमंत्री योगी ने सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा, ''जन समस्याओं का समाधान शीघ्रता से किया जाए, इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जनता की हर समस्या का निवारण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।''

एक बयान के मुताबिक, जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने करीब 400 लोगों से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होने दी जाएगी और कहा कि जिन लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ किन्हीं कारणों से नहीं मिल पाया है उन्हें इसके दायरे में लाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को यह भी हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले और कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं और उनके खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई की जाए।

अनुच्छेद-370 के अधिकतर प्रावधान निरस्त करने से हाशिए पर पड़े लोगों को सशक्त बनाने में मदद मिली: शाह

नई दिल्ली/भाषा। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद–370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त करने से हाशिए पर पड़े वर्गों के लिए सशक्तिकरण का एक नया युग शुरू हुआ है और क्षेत्र में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र मजबूत हुआ है। शाह ने अनुच्छेद–370 के अधिकतर प्रावधान निरस्त किये जाने के पांच साल पूरे होने पर कहा कि क्षेत्र के युवाओं ने सामाजिक–आर्थिक विकास और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को गति दी है, जिससे शांति और समग्र विकास को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के प्रयास सफल हुए हैं। केन्द्रीय गृहमंत्री शाह ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अनुच्छेद–370 और अनुच्छेद–35ए को ऐतिहासिक रूप से हटाए जाने के पांच साल पूरे हो गए हैं। इस परिवर्तनकारी निर्णय ने जम्मू कश्मीर और लद्दाख में हाशिए पर पड़े वर्गों के सशक्तिकरण के एक नए युग की शुरुआत की है और जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत किया है।'' अमित शाह ने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया और क्षेत्र की आकांक्षाओं और परिवर्तनकारी प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए समर्पण की पुष्टि की। गृहमंत्री अमित शाह ने ही अनुच्छेद–370 और अनुच्छेद–35 ए को निरस्त करने के लिए पांच अगस्त, 2019 को संसद में विधेयक पेश किया था। केंद्र सरकार ने पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद–370 के अधिकतर प्रावधान निरस्त कर दिये थे, जो जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देता था। सरकार ने तत्कालीन जम्मू कश्मीर राज्य को ''जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम'' के जरिये दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था।

उत्तर प्रदेश : भव्य एवं दिव्य होगा भगवान श्रीकृष्ण का 5251वां जन्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि इस बार मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण का 5251वां जन्मोत्सव बहुत ही भव्य एवं दिव्य तथा यादगार होगा।

सिंह के मुताबिक, ब्रज तीर्थ विकास परिषद को आयोजन के लिए किसी भी प्रकार से धन की कमी नहीं होने दी जाएगी। मंत्री यहां भाद्रपद मास की अष्टमी तिथि (26 अगस्त) को आयोजित होने वाले श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के कार्यक्रमों की तैयारियों के संबंध में एक बैठक में भाग लेने के लिए पहुंचे थे।

उन्होंने इस संबंध में जिला प्रशासन एवं नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ–साथ जन प्रतिनिधियों व मठ, मंदिर, आश्रमों के प्रतिनिधियों तथा संत समाज के साथ बैठक कर उनके सुझाव भी लिए।

मंत्री ने बाद में पत्रकारों को बताया, हम भगवान श्रीकृष्ण के 5251वें जन्मदिन को अद्वितीय बनाने की तैयारियां कर रहे हैं। इसके लिए हमने संत समाज एवं जन प्रतिनिधियों सहित आम जनमानस से भी सुझाव लिए हैं।

सिंह ने कहा कि ब्रज तीर्थ विकास परिषद आयोजन की एक रूपरेखा तैयार कर रही है जिसके लिए सभी औचित्यपूर्ण प्रस्तावों के लिए धन उपलब्ध कराया जाएगा।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हाथरस में भगदड़ की घटना को देखते हुए इस बार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा और कोशिश की जाएगी कि छोटी से छोटी भी अप्रिय घटना नहीं हो और इसके लिए उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को अतिरिक्त सुरक्षा बल का प्रस्ताव भेजने को कहा है।

उपचुनाव से पहले समाजवादियों को बदनाम करना चाहती है भाजपा : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को आरोप लगाया कि विधानसभा उपचुनावों से पहले राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार अयोध्या दुष्कर्म मामले पर ''वोट की राजनीति'' के लिये समाजवादियों को बदनाम कर रही है।

यादव ने 'छोटे लोहिया' के नाम से मशहूर रहे समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से अयोध्या दुष्कर्म मामले पर कहा, ''उपचुनाव (उत्तर प्रदेश की 10 सीटों पर होने वाले) से पहले भाजपा षड्यंत्र रच रही है और पहले ही दिन से उसका लक्ष्य रहा है कि समाजवादियों को कैसे बदनाम किया जाए। खासकर मुसलमानों को लेकर उनकी जो सोच है वह अलोकतांत्रिक है।'' उन्होंने अयोध्या की घटना का जिक्र करते हुए कहा, ''वर्ष 2023 का भाजपा सरकार का ही एक संशोधित कानून है जिसमें यह कहा गया है कि अगर सात साल से ज्यादा सजा का प्रावधान वाला जुर्म हुआ है तो डीएनए टेस्ट होना चाहिए तो समाजवादी पार्टी ने क्या गलत मांग की है? वहां की पुलिस भी सच्चाई जानती है। तमाम अधिकारी ऐसे हैं जो कह रहे हैं कि हमें तो नौकरी बचानी है, हम क्या करें।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''अधिकारियों पर इतना दबाव है कि वे न्याय नहीं दे सकते। भाजपा भेदभाव इसलिए कर रही है क्योंकि उसे वोट की राजनीति दिखाई दे रही है। भाजपा के लोग कितना भी कुछ कर लें, अब जनता को उनसे कोई उम्मीद नहीं है और जब किसी राजनीतिक दल से उम्मीद खत्म हो जाए तो समझ लेना कि उनका सफाया तय है।'' सपा प्रमुख ने कहा, ''भाजपा के लोग लोकसभा चुनाव में बुरी तरह हारे। जनता अगले चुनाव में उन्हें इससे भी बुरी तरह हराएगी।''

कांवड़ यात्रा

न्यायालय ने ढाबों पर मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के निर्देश पर अंतरिम रोक बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को भाजपा शासित उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्यप्रदेश द्वारा जारी उन निर्देशों पर रोक लगाते हुए 22 जुलाई के अपने अंतरिम आदेश को बढ़ाने का निर्देश दिया, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्गों पर स्थित भोजनालयों को मालिकों, कर्मचारियों के नाम और अन्य विवरण प्रदर्शित करने के लिए कहा गया था।

विपक्षी दलों ने तीनों राज्यों की ओर से जारी इन निर्देशों को मुस्लिम समुदाय के खिलाफ तथा विभाजनकारी एवं भेदभावपूर्ण बताया था। उच्चतम न्यायालय के आदेश ने प्रभावी रूप से यह सुनिश्चित किया कि राज्यों के आदेशों के अनुपालन के बिना ही (कांवड़) यात्रा आयोजित हो जाए। हिंदू कैलेंडर के 'श्रावण' महीने के दौरान शिवलिंगों पर जलाभिषेक करने के लिए विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा से पवित्र जल की 'कांवड़' लेकर आते हैं। कई श्रद्धालु इस महीने में मांस खाने से परहेज करते हैं और कई लोग तो प्याज और लहसुन युक्त भोजन भी नहीं खाते। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ समय की कमी के कारण मामले की सुनवाई नहीं कर सकी, लेकिन अंतरिम आदेश को बढ़ा दिया। एक पक्ष की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि वर्तमान में कांवड़ यात्रा जारी है, और श्रावण 19 अगस्त को समाप्त होगा।

जब उन्होंने अदालत से शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया तो पीठ ने कहा कि एक तारीख तय की जाएगी, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि मामले की अगली सुनवाई कब होगी।

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों के अलावा मध्यप्रदेश के उज्जैन में भाजपा शासित नगर निकाय ने भी दुकान मालिकों को इसी तरह का निर्देश जारी किया था। उज्जैन में भगवान शिव का प्रसिद्ध महाकाल मंदिर है।

न्यायालय ने 22 जुलाई को भाजपा शासित उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकारों द्वारा जारी निर्देशों पर अंतरिम रोक लगा दी थी।

पीठ ने निर्देश दिया, ...हम यह उचित समझते हैं कि विवादित निर्देशों के प्रवर्तन पर रोक लगाने के लिए एक अंतरिम आदेश पारित किया जाए। दूसरे शब्दों में, खाद्य सामग्री विक्रेताओं (ढाबा मालिकों, रेस्तरां, खाद्य पदार्थ और सब्जी विक्रेताओं, फेरीवालों आदि) को यह प्रदर्शित करने की आवश्यकता हो सकती है कि वे कांवड़ियों को किस प्रकार का भोजन परोस रहे हैं।

उसने कहा, लेकिन उन्हें अपने–अपने प्रतिष्ठानों में तैनात मालिकों और कर्मचारियों का नाम/पहचान प्रदर्शित करने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। तदनुसार आदेश दिया गया है।

सिक्किम के मुख्यमंत्री ने पेश किया 14,490.7 करोड़ रुपए का बजट

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने सोमवार को वित्त वर्ष 2024–25 के लिए 14,490 करोड़ रुपए का अधिशेष बजट पेश किया। वित्त विभाग की भी जिम्मेदारी संभाल रहे तमांग ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में पूंजीगत व्यय 3,752.90 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। यह 2023–24 में 2,661 करोड़ रुपए था। उन्होंने विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा, ''इस बार का 14,490.67 करोड़ रुपए का बजट 2018–19 के मुकाबले 109 प्रतिशत अधिक है।'' विधानसभा का चार दिवसीय बजट सत्र सोमवार से शुरू हुआ।मुख्यमंत्री ने लगातार छठा बजट पेश करते हुए कहा, ''यह प्रगति राज्य के वित्त के बेहतर प्रबंधन, राजस्व सृजन में वृद्धि और बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं के माध्यम से रणनीतिक निवेश के माध्यम से हासिल की गई है।'' उन्होंने कहा कि पूंजीगत परियोजनाओं के मामले में राज्य ने अपने प्रदर्शन और समय पर परियोजना पूरी होने के आधार पर अतिरिक्त वित्तपोषण का सफलतापूर्वक लाभ उठाया है।

बंगाल : अखिल गिरि ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया, कहा-महिला अधिकारी से माफी नहीं मांगेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के सुधार सेवा मंत्री अखिल गिरि ने सोमवार को कहा कि उन्होंने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री कार्यालय को भेज दिया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेतृत्व ने रविवार को गिरि से मंत्री पद से इस्तीफा देने और वन विभाग की एक महिला अधिकारी को धमकाने तथा अपशब्द कहने के लिए उससे माफी मांगने को कहा था।

हालांकि, रामनगर से टीएमसी विधायक गिरि ने कहा कि वह किसी अधिकारी से नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से माफी मांगेंगे। गिरि ने शहर के दक्षिणी हिस्से में स्थित एमएलए हॉस्टल से बाहर आते हुए संवाददाताओं से कहा, ''मैंने अपना इस्तीफा मुख्य सचिव के माध्यम से मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंप दिया है। लेकिन, मैं किसी अधिकारी से माफी नहीं मांगूंगा। मैं मुख्यमंत्री से माफी मांग सकता हूं।''

टीएमसी विधायक ने कहा, ''उस दिन लोगों की पीड़ा और वन विभाग के लोगों द्वारा उन पर अत्याचार देखकर मैं अपना आपा खो बैठा। मैं एक शब्द का इस्तेमाल करने के लिए क्षमा चाहता हूं, लेकिन मैंने जो कुछ भी कहा उसके लिए नहीं। मैंने जो कुछ भी किया है, वह लोगों के हित के लिए किया है।''

ओडिशा : एक शिकारी गिरफ्तार, तेंदुए और हिरण की खोपड़ियां बरामद

बारिपदा/भाषा। ओडिशा के मयूरभंज जिले में वन अधिकारियों ने एक शिकारी को गिरफ्तार कर उसके पास से एक तेंदुए और हिरण की खोपड़ी बरामद की है। सिमिलीपाल बाघ अभयारण्य (एसटीआर) के उप निदेशक सम्राट गौड़ा ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर वन अधिकारियों की एक टीम ने रविवार को मकाबाड़ी गांव में लंका बद्रा के घर पर छापा मारा और वहां से एक तेंदुए की खोपड़ी बरामद की। गौड़ा ने बताया कि बद्रा को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान उसने जंगली जानवरों के शिकार के लिए अपनाई गई विस्तृत प्रक्रिया का खुलासा किया जिसके बाद जंगल में अपराध की घटना का नाट्य रूपांतरण किया गया। अधिकारी के मुताबिक, जांच अधिकारी ने घटनास्थल से कुछ हड्डियां जब्त की हैं, जो जंगली जानवरों की होने का संदेह है।

सरकार नई पोत विनिर्माण योजना पर कर रही है काम, शिपर्याड को मिलेगा प्रोत्साहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय पोत विनिर्माण की नई योजना पर काम कर रहा है। योजना के तहत विभिन्न उपायों के जरिये भारतीय शिपयार्ड यानी पोत विनिर्माण और मरम्मत वाले क्षेत्र को 2035 तक प्रोत्साहन दिया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग सचिव टी के रामचंद्रन ने कहा कि नई नीति के साथ भारत 2030 तक शीर्ष 10 जहाज विनिर्माता देशों में और 2047 तक शीर्ष पांच देशों में शामिल होने की कोशिश करेगा। फिलहाल भारत इस मामले में दुनिया में 22वें स्थान पर है। उन्होंने पीटीआई–भाषा से कहा, ''...मंत्रालय पोत विनिर्माण की एक नई योजना पर काम कर रहा है। इसके तहत 2035 तक भारतीय शिपयार्ड को विभिन्न उपायों के जरिये प्रोत्साहन दिया जाएगा।''

रामचंद्रन ने यह भी कहा कि जिनेवा स्थित वैश्विक क्रूज कंपनी एमएससी क्रूज ने घरेलू यात्रा कार्यक्रम के लिए अपने जहाजों के उपयोग की इच्छा जतायी है। उन्होंने कहा कि बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ मिलकर बड़े टैंकर के स्वामित्व के लिए काम कर रहा है। इसके तहत शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और पेट्रोलियम विपणन कंपनियों के साथ एक संयुक्त उद्यम बनाने की योजना पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''स्वामित्व का मॉडल मांग और बाजार की स्थितियों के आधार पर तय किया जाना है।''

रामचंद्रन ने हरित पोत परिवहन के लिए सरकार की योजना से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मंत्रालय उन जहाजों के लिए 30 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान करेगा जहां मेथनॉल/अमोनिया/हाइड्रोजन ईंधन सेल आदि जैसे हरित ईंधन का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्रालय पूरी तरह से इलेक्ट्रिक या हाइब्रिड प्रणाली से युक्त जहाजों के लिए 20 प्रतिशत वित्तीय सहायता भी देगा।

वक्फ की स्थिति को बदलने वाला कोई भी संशोधन स्वीकार्य नहीं : जमीयत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा–ए–हिंद ने सोमवार कहा कि वक्फ की स्थिति में बदलाव करने वाले किसी भी संशोधन को स्वीकार नहीं किया जा सकता। जमीयत प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने यह आरोप भी लगाया कि सरकार मुसलमानों के संवैधानिक अधिकारों में जानबूझकर हस्तक्षेप कर रही है। उन्होंने एक बयान में दावा किया, ''यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि संशोधनों द्वारा केंद्र सरकार वक्फ़ संपत्तियों की स्थिति को बदल देना चाहती है ताकि उन पर कब्जा करके मुस्लिम वक्फ़ की स्थिति को समाप्त करना आसान हो जाए।'' मदनी ने कहा कि ऐसे किसी संशोधन को स्वीकार नहीं किया जा सकता जिससे वक्फ़ की स्थिति बदल जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह एक प्रकार से मुसलमानों को दिए गए संवैधानिक अधिकारों में जानबूझकर किया गया हस्तक्षेप है।

मदनी ने कहा, ''जरूरत पड़ने पर उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए खुद को तैयार कर चुके हैं, क्योंकि जमीयत उलमा–ए–हिंद अपने पुरखों की संपत्तियों की सरकारी और गैर–सरकारी स्तर पर जारी लूट पर चुप नहीं बैठ सकती।''

उधर, सरकार द्वारा वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन के लिए संसद में विधेयक पेश किए जाने की संभावना के बीच, केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को कहा कि वक्फ संपत्तियों के नियमन को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए आम मुसलमानों द्वारा लगातार मांग की जा रही है।

सुविचार

सड़क कितनी भी साफ क्यों न हो, लेकिन धूल हो ही जाती है और इंसान चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, भूल हो ही जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

किस मोड़ पर बांग्लादेश?

बांग्लादेश में शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ देना उनकी पार्टी अवामी लीग के लिए बहुत बड़ा झटका है। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि चंद प्रदर्शनकारियों के आक्रोश की चिन्गारी ऐसी ज्वाला का रूप धारण कर लेगी, जिसके बाद बांग्लादेशी प्रधानमंत्री को अपना पद छोड़ना पड़ेगा! कभी लोकप्रियता के शिखर पर रहीं शेख हसीना अपने पिता शेख मुजीबुर्रहमान की विरासत को ठीक तरह से संभाल नहीं पाईं। हालांकि उन्होंने लंबी सियासी पारी खेली और इस पड़ोसी देश के उन राजनेताओं में शुमार की जाती हैं, जिन्हें हवा का रुख भांपना आता है। जब आरक्षण विरोधी आंदोलन के बाद प्रदर्शनकारी दोबारा लामबंद होकर शेख हसीना के इस्तीफे की मांग पर अड़ गए तो उन्होंने पद छोड़ देना ही बेहतर समझा। इस समय वहां जैसे हालात हैं, उनको ध्यान में रखते हुए शेख हसीना का देश छोड़ देने का फैसला भी रणनीति का हिस्सा प्रतीत होता है। अगर वे बांग्लादेश में रहतीं तो उनकी जान को खतरा था। वे भविष्य में 'सही समय' देखकर फिर स्वदेश लौट सकती हैं, जैसा कि कई देशों में नेतागण लौटते रहे हैं और नई सियासी पारी का आगाज करते रहे हैं। बांग्लादेश से जो तस्वीरें आ रही हैं, वे कुछ खास संकेत देती हैं। जब जनवरी 1972 में पाकिस्तानी जेल से रिहा होकर शेख मुजीबुर्रहमान बांग्लादेश आए थे तो उनका स्वागत महानायक की तरह किया गया था। लोग उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब थे। जनता पूरे मुक्ति संग्राम के दौरान शेख मुजीबुर्रहमान और अवामी लीग के झंडे के लिए जान देने को तैयार थी। वहीं, साल 2024 में ऐसा क्या हुआ कि जनता शेख हसीना के चित्र और उनकी पार्टी के झंडे को देखते ही भड़क रही है, मुजीबुर्रहमान की प्रतिमाएं तोड़ रही है? हसीना लगभग डेढ़ दशक से बांग्लादेश की सत्ता में थीं। इतनी लंबी अवधि में सत्ताविरोधी लहर का पैदा होना स्वाभाविक है। इसके अलावा बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, नौकरशाही की मनमानी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे थे। रही-सही कसर आरक्षण के मुद्दे ने पूरी कर दी। हालांकि बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्त्वपूर्ण आदेश देते हुए कह दिया था कि सार्वजनिक क्षेत्र की 93 प्रतिशत नौकरियों में योग्यता के आधार पर भर्ती की जानी चाहिए।

क्या शेख हसीना यह नहीं भांप पाईं कि आरक्षण विरोधी आंदोलन उनकी कुर्सी ले लेगा? क्या उनके सलाहकारों ने उन्हें सही समय पर सही राय नहीं दी? क्या खुफिया एजेंसियों ने उन्हें इस बात को लेकर नहीं चेताया कि जनता के अंदर आक्रोश का लावा पक रहा है, जो किसी भी समय फूट सकता है? क्या जनता को भड़काने के लिए विदेशी ताकतों ने भी हिस्सा डाला? जैसे ही शेख हसीना के इस्तीफे की खबर सोशल मीडिया पर आई, पाकिस्तानी न्यूज एंकरों के चेहरे 'चमक' उठे। उनके कथित विश्लेषक अपनी पूरी ताकत लगाकर अवामी लीग को कोसने लगे, चूंकि इसी पार्टी ने साल 1971 में पाकिस्तान के शिकंजे से आज़ादी हासिल करने के लिए मुक्ति संग्राम के योद्धाओं को संगठित किया था। अब शेख हसीना के यूं सत्ता गंवाने में उन्हें अपनी जीत नजर आ रही है। भारत के लिए भी यह समय चुनौतीपूर्ण है। अगर बांग्लादेश में लंबी अवधि तक अशांति का माहौल रहा तो घुसपैठ को बढ़ावा मिल सकता है। ऐसे में बीएसएफ और सीमा की सुरक्षा से जुड़ीं अन्य एजेंसियों को बहुत सतर्क रहना होगा। बीएसएफ ने पहले ही अपनी इकाइयों को 'हाई अलर्ट' जारी कर दिया है। अब बांग्लादेश में सत्ता का जो प्रयोग होने जा रहा है, वह नया नहीं है। वहां लोकतंत्र का बीज अंकुरित हो ही रहा था, तब 15 अगस्त, 1975 को सेना ने तख्ता-पलट कर दिया था। उसके बाद भी सैन्य अधिकारी किसी-न-किसी रूप में सत्ता में भागीदार रहे। शेख हसीना के देश छोड़कर चले जाने के बाद सेना प्रमुख जनरल वकार-उज़ ज़मान ने यह कहते हुए अंतरिम सरकार बनाने की घोषणा की कि मैं पूरी ज़िम्मेदारी ले रहा हूं। अब बांग्लादेश की अगली सरकार कैसी होगी? क्या वह लोगों के आक्रोश को शांत कर पाएगी? क्या वह उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ बेहतर जीवन स्तर दे पाएगी? कहीं जनरल वकार दूसरे ज़िया-उल हक़ तो नहीं बन जाएंगे, जिन्होंने पाकिस्तान में 90 दिनों में चुनाव कराने का वादा कर सत्ता छीनी थी, लेकिन लगभग एक दशक तक जनता की छाती पर मूंग दलते रहे थे? इन सवालों के जवाब जो भी हों, लेकिन इस समूचे घटनाक्रम ने एक बार फिर बांग्लादेश में लोकतंत्र की जड़ें हिला दीं। उसे ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया, जहां से आगे बढ़ने का रास्ता बहुत जोखिम भरा है।

ट्वीटर टॉक

मेरा सरकार एवं प्रशासन से निवेदन है कि टोंक सहित प्रदेश के सभी प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को पूरी सहायता पहुंचाई जाए। आपदा प्रबंधन के सभी इंतज़ाम पहले से ही सुनिश्चित किए जाएं ताकि ज़रूरत पड़ने पर किसी प्रकार की समस्या नहीं हो।

-सचिन पायलट

संसदीय क्षेत्र बून्दी में लाखेरी के परिवारजनों द्वारा किए स्नेहपूर्ण स्वागत के लिए कृतज्ञ हूं। मेरी कोशिश रहेगी कि मैं अपने सम्पूर्ण सामर्थ्य और क्षमता से उनके सपनों को साकार करने के लिए काम कर सकूं। उन्हें आश्वस्त किया कि हम मिलकर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

दिव्यता का हकदार

श्रीकृष्ण की पत्नी सत्यभामा के पिता सत्राजित को देवताओं से एक दिव्य मणि उपहार में मिली थी। शतधन्वा नामक एक व्यक्ति ने सत्राजित की हत्या कर स्यमंतक नामक वह दिव्य मणि छीन ली। पिता की मौत का समाचार पाकर सत्यभामा को अत्यंत दु:ख हुआ। श्रीकृष्ण उस समय वारणावर्त नगर में थे। वे द्वारिका पहुंचे। उन्हें जैसे ही अपने ससुर की हत्या का समाचार मिला, उन्होंने शतधन्वा का पीछा किया और मिथिला प्रदेश में सुदर्शन चक्र से उसका सिर काट डाला, लेकिन स्यमंतक मणि उसके पास नहीं मिली। शतधन्वा ने यह मणि श्वफल्क के पुत्र अक्रूर को दे दी थी। अक्रूर को पता चला कि श्रीकृष्ण उस दिव्य मणि की खोज कर रहे हैं, तो उन्होंने यादवों की सभा में स्यमंतक मणि श्रीकृष्ण को सौंपने का प्रस्ताव रखा। श्रीकृष्ण ने कहा, 'सत्राजित के संसार में न रहने से अब यह मणि राष्ट्र की धरोहर है। कोई ब्रह्मचारी और संयमी व्यक्ति ही इस मणि को धरोहर के रूप में रखने का अधिकारी है।' सभी श्रीकृष्ण से वह मणि रखने का अनुरोध करने लगे, लेकिन श्रीकृष्ण ने कहा, 'मैंने बहुविवाह किए हैं। इसलिए मुझे इसे रखने का अधिकार नहीं है।'

सामयिक

मनु भाकर बनीं युवा खिलाड़ियों की आदर्श

आर.के.सिन्हा

निशानेबाज मनु भाकर को अब सारा देश जानता है। पेरिस ओलंपिक खेलों में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भी चौथे स्थान पर रहीं। उनके पेरिस ओलंपिक खेलों में अभूतपूर्व प्रदर्शन से सारा देश प्रसन्न है। मनु भाकर सिर्फ अचूक निशानची ही नहीं हैं। वो तो देश के अधिकतर खिलाड़ियों के लिए भी एक तरह से प्रेरणा हैं। उन्होंने अपनी शिक्षा पर भी हमेशा भरपूर ध्यान दिया। हरियाणा के झज्जर शहर की रहने वाली मनु भाकर ने 10 वीं और 12 वीं की बोर्ड की परीक्षाओं में 90 पर्सेंट से अधिक अंक अर्जित किए। उसके बाद दिल्ली विश्वविदलाय के लेडी श्रीराम कॉलेज (एलएसआर) से पालिटीकल साइँस आनर्स की डिग्री भी ली। एलएसआर देश का चोटी का महिला कॉलेज माना जाता है। नोबल पुरस्कार विजेता और म्यांमार की शिखर नेता आंग सान सू ची यू ने 1964 में इसी लेडी श्रीराम कॉलेज से ग्रेजुएशन किया था। मुन भाकर का लेडी श्रीराम कॉलेज में पढ़ना इस बात की गवाही है कि उन्होंने अपनी पढ़ाई पर भी हमेशा फोकस रखा। इधर बीते कुछ सालों से हमारे अपने देश के बहुत सारे नामवर खिलाड़ियों ने स्कूल के बाद आगे की पढ़ाई नहीं की। ये कोई बहुत आदर्श स्थिति नहीं मानी जा सकती। आप कितने ही बड़े खिलाड़ी क्यों न हो जाएं, पर आप बेहतर इंसान और नागरिक तो ढंग से पढ़-लिखकर ही बनते हैं। महान फुटबॉलर चुन्नी गोस्वामी, क्रिकेटर अजीत वाडेकर और सुनील गावस्कर उन खेलों की दुनिया के शिखर नाम रहे हैं, जिन्होंने खेल के मैदान में जौहर दिखाते हुए अपनी पढ़ाई को नजरअंजाद नहीं किया। चुन्नी गोस्वामी और अजीत वाडेकर तो स्टेट बैंक में अहम पदों पर इसलिए पहुंचे , क्योंकि ; इनके पास सही डिग्रियां थीं। सुनील गावस्कर बीते पांच दशकों से सक्रिय हैं। पहले क्रिकेटर के रूप में और बाद के दशकों में बतौर लेखक और कमेंटेटर के। उनके पास क्रिकेट की गहरी समझ के अलावा शब्दों का भंडार भी है। वैसे खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने के आधार पर नौकरी तो बहुत सारे खिलाड़ियों को मिल ही जाती हैं। माफ करें, कई कथित खिलाड़ियों को जाली प्रमाणपत्रों के आधार पर भी नौकरियां मिलती रही हैं। यह भी सबको पता है।

सारी दुनिया ने मनु भाकर को बीत दिनों मीडिया को इंटरव्यू देते हुए देखा। इतनी छोटी सी उम्र में वह कितने धीर-गंभीर अंदाज में अपनी बात रखती है। वह गीता का उदाहरण देते हुए सफलता के मर्म को समझाती है। मनु भाकर हिन्दी और अंग्रेजी में पूरे विश्वास के साथ सवालों के जवाब देती है। यही सही शिक्षा सिखाती भी है। आप पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के अधिकतर खिलाड़ियों को देख लें। जावेद मियांदाद, इंजमाम उल हक, शोएब अख्तर जैसे मशहूर खिलाड़ियों ने खेल के मैदान में भले ही बेहतरीन प्रदर्शन किए हों, पर वे जब बोलते हैं तो सच में बहुत अफसोस होता है कि बेहतर शिक्षा ना मिलने के कारण वे अपने व्यक्तित्व निर्माण में कितना पिछड़ गए।

वे इंटरव्यू देते वक्त पूरी तरह से सड़क छाप ही लगते हैं। बेशक,शिक्षा ही जीवन का आधार है और बिना शिक्षा के मनुष्य का जीवन अर्थहीन व दिशाहीन हो जाता है। एक सफल जीवन में सार्थक शिक्षा का विशेष महत्व होता है। शिक्षा जीवन का आधार है, और शिक्षा से ही मनुष्य अपने जीवन में आगे बढ़ता है, सही गलत में अंतर कर पाता है।

शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। अगर आपके संस्कार सही है तो आपकी शिक्षा भी सही दिशा में जाएगी। मनु भाकर और दूसरे खिलाड़ियों के कोचों का दायित्व है कि वे युवा पीढ़ी को सही मार्ग दिखाएं, ताकि आने वाला कल अच्छा हो। उन्हें शिक्षा के महत्व की जानकारी दें। मनु भाकर के अलावा भी हमारे यहां बहुत सारे खिलाड़ी साबित करते रहे हैं कि खेलों में सफलता के साथ-साथ पढ़ाई करना भी संभव है। यह सट है कि पेशेवर खिलाड़ी बनने के लिए बहुत समर्पण और मेहनत चाहिए। इसके अलावा, व्यक्ति को अपने खेल के शिखर पर पहुंचने के लिए बहुत कुछ त्याग करना पड़ता है। तमाम कठिनाइयों और संघर्षों के बीच, अधिकांश एथलीटों के लिए पढ़ाई पीछे छूट जाती है। पर इस तरह के खिलाड़ियों की भी कोई कमी नहीं है, जिन्होंने अपने खेल और पढ़ाई के बीच सही संतुलन बनाया और दोनों क्षेत्रों में कामयाबी हासिल की है। ये व्यक्ति बौद्धिक और शारीरिक शक्ति का शानदार उदाहरण हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम के हाल तक कोच रहे राहुल द्रविड़ को दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने सभी प्रारूपों में 23,000 से अधिक रन हैं। राहुल द्रविड़ ने कॉमर्स में स्नातक की डिग्री भी हासिल की है, जिसे उन्होंने बैंगलोर के सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ कॉमर्स से प्राप्त किया। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए चुने जाने से पहले, वह एमबीए की पढ़ाई कर रहे थे। कर्नाटक और भारतीय टीम में राहुल द्रविड़ के साथी अनिल कुंबले ने सभी प्रारूपों में 900 से अधिक विकेट लिए हैं और टेस्ट और वनडे क्रिकेट में भारत के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। कुंबले भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और कोच भी रहे हैं। उनके पास मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री है। अब शतरंज के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद की बात कर लेते हैं। विश्वनाथन आनंद पहले भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर हैं। वह पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन हैं और उन्हें शतरंज के सर्वकालिक महानतम खिलाड़ियों में से एक माना जा सकता है।

शतरंज के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों ने उनकी शिक्षा को बाधित नहीं किया। उनके पास चेन्नई के लोयोला कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक की डिग्री है। यह हरेक इंसान को समझन होगा कि हमारे जीवन में शिक्षा का क्यों इतना महत्व है और हर व्यक्ति को शिक्षित होना क्यों जरूरी है? सबसे जरूरी बात यह है किशिक्षा हमें निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। शिक्षित लोग अपने जीवन के बारे में बेहतर निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। इसके अलावा, शिक्षा हमें समाज में सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम बनाती है। शिक्षित लोग अपने आसपास की दुनिया को बेहतर बनाने में योगदान दे सकते हैं। शिक्षा का कोई विकल्प नहीं है। मनु भाकर यह साबित करती है कि हरेक इंसान के लिए शिक्षा कितनी अहमियत रखती है।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

विशेष

उमंग व उल्लास का पर्व है तीज

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

श्रावण में वर्षात के मौसम में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है। सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यत: महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है।

वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कावड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है। श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं।

श्रावण का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं।

तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है। हाथों में रची मेंहंदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वत: ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं।

राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है। उन्हें अपने होने वाले सास ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेंहदी, लाख की चूडियां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष द्धारा अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंजारा भेजा जाता है। जिसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है। तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेंहदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण शृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेंहदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेंहदी रचाती हैं। जिसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। राजस्थान के गांवों में पहले लड़किया गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलती थी। तीज के दिन से गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलना बन्द कर देती थी। इसलिये गांव की लड़किया एक साथ एकत्रित होकर अपनी पुरानी गुड्डे-गुड्डी को गांव के पास के नदी, तालाब, जोहड़ में बहा देती थी। जिसे गुड्डी बहावना कहा जाता था।

अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये स्त्रियां यह व्रत किया करती हैं। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर शोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है। स्त्रियों द्वारा सुंदर वस्त्र धारण किये जाते है तथा घर को सजाया जाता है। इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है। इस व्रत को करने वालि स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। तीज का आगमन वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फोहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है। आज के दौर में ये सब बीती बाते बन कर रह गयी है। राजस्थान में मान्यता है कि गणगौर के साथ ही पर्व-त्यौंहार मनाना बन्द हो जाते हैं। वो तीज के दिन से पुन: मनाये जाने लगते हैं। तीज से शुरू होने के बाद त्योंहारों का सिलसिला गणगौर तक चलता है। इसीलिये राजस्थान में एक कहावत प्रचलित है 'तीज त्योंहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर।'

नजरिया

बारिश की बीमारियां और आयुर्वेद

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

बारिश अपने साथ सुखद सुकून लेकर आती है मगर कम ही लोगों को मालूम है बारिश कई प्रकार की बीमारियां भी अपने साथ लाती है। बारिश का मौसम अपने साथ हाथ पैरों, जोड़ों में दर्द, बालों के झड़ने की समस्या, त्वचा इन्फेक्शन, नाक कान और गले में संक्रमण, दाद, खाज, खुजली, पाचन संबंधी समस्याएं आदि बहुत सारी बीमारियां अपने साथ लेकर आती है। लोग इन बीमारियों से छुटकारा पाने के लिए अंग्रेजी दवाओं की तरफ भागते है। कई बार बिना सोचे समझे ली जाने वाली ये दवाएं व्यक्ति को राहत की जगह आहत पहुंचा देती है। इसके लिए हमें आयुर्वेद की दवाओं का सेवन करना चाहिए, जो आपके शरीर को कोई हानि नहीं पहुंचाएगी।

आयुर्वेद को हमारे देश में सेहत का खजाना कहा जाता है। आयुर्वेद की जड़ी-बूटी अपने भीतर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के कई गुण समेटे हुए है। आज दुनिया में भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति का डंका बज रहा है। विश्व के सभी देशों में आयुर्वेद पहुंच गया है। आयुर्वेद न केवल शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि समग्र स्वास्थ्य के बारे में बात करता है। आयुर्वेद का जन्म लगभग पांच हजार वर्ष पहले भारत में हुआ था। इस औषधि का वर्णन करने वाले प्राचीन ग्रंथ 1500 ईसा पूर्व के हैं । विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भी आयुर्वेद को एक पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में स्वीकार किया गया है। आयुर्वेद प्राचीन भारतीय प्राकृतिक और समग्र वैद्य-शास्त्र चिकित्सा पद्धति है। संस्कृत भाषा में आयुर्वेद का अर्थ है जीवन का विज्ञान। आयुर्वेद के अनुसार व्यक्ति के शरीर में वात, पित्त और कफ जैसे तीनों मूल तत्त्वों के संतुलन से कोई भी बीमारी नहीं हो सकती, परंतु यदि इनका संतुलन बिगड़ता है, तो बीमारी शरीर पर हावी होने लगती है। अंग्रेजी दवाएं रोग से लड़ने के लिए डिजाइन की जाती हैं, वहीं आयुर्वेदिक औषधियां रोग के विरुद्ध शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाती हैं ताकि आपका शरीर खुद उस रोग से लड़ सके। आयुर्वेद के अनुसार कोई भी शारीरिक रोग शरीर की मानसिक स्थिति, त्रिदोष या धातुओं का संतुलन बिगड़ने के कारण होती है। आयुर्वेद चिकित्सक मरीज की रोग प्रतिरोध क्षमता, जीवन शक्ति, पाचन शक्ति, दैनिक दिनचर्या, आहार संबंधी आदतों और यहां तक कि उसकी मानसिक स्थिति की जांच करके रोग निदान करते हैं। आयुर्वेद रोग को जड़ से खत्म करता है। हम कह सकते है आयुर्वेद स्वास्थ्य की देखभाल करने की कारगर प्रणाली है। चरक संहिता के अनुसार आयुर्वेद का उद्देश्य स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना और रोगी के विकारों को खत्म करना है। आयुर्वेद का अर्थ ही है आयु को जानने का संपूर्ण विज्ञान। आयुर्वेद सिर्फ एक चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है।

हजारों हज़ार सालों से हम बीमारी के इलाज के लिए पेड़-पौधों या संजीवनी बूटी माने जाने वाले पौधों का इस्तेमाल करते आये है। आयुर्वेद में जड़ी-बूटियों को दवाई के रुप में इस्तेमाल करने का उल्लेख मिलता है। बहुत सी अंग्रेजी दवाइयों के साथ आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा जैसी पद्धतियों में औषधीय पौधों का बहुतायत से प्रयोग हो रहा है। भारत सरकार के ऑल इण्डिया को-ऑर्डिनेटेड रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन एथ्नो-बायोलॉजी द्वारा कराए गए एक सर्वेक्षण में यह बताया गया है की लगभग 8 हजार पेड़-पौधे ऐसे हैं जिनका उपयोग औषधीय गुणों के लिए किया जाता है। आयुर्वेद में लगभग दो हजार, सिद्धा में लगभग एक हजार और यूनानी में लगभग 750 पौधें ऐसे है जिनका उपयोग विभिन्न दवाओं के निर्माण में किया जाता है।

कोरोना संकट में प्रकृति और ऋषि मुनियों द्वारा अपनायी जाने वाली आयुर्वेद चिकित्सा ने हमारा ध्यान खिंचा है। कोरोना में सर्दी, जुकाम, खांसी, गले में खराश आम बात है।

दादी नानी के आयुर्वेद नुस्खों ने इनका उपचार भी हमें बताया है। ये नुस्खे इतने ज्यादा कारगर हैं कि डॉक्टर और मेडिकल साइंस भी उन्हें मानने से मना नहीं करते हैं। हल्दी वाला दूध हो या नमक मिले गरम पानी के गरारे कोरोना के जुकाम और गले दर्द में दोनों ही कारगर इलाज है। अदरक को पानी में उबालकर और फिर शहद के साथ खाया जाए तो यह कफ, गले में खराश और गला खराब होने की दिक्कत से छुटकारा दिला सकती है। अदरक को शहद के साथ खाने से गले में होने वाली सूजन और जलन में भी राहत मिलती है। इसी भांति अजवायन, लोंग, काली मिर्च, तुलसी गिलोय, मलेठीयुक्त पान, शहद, दालचीनी आदि के नुस्खे भी संजीवनी साबित हुए है।

आयुर्वेद और योग भारत द्वारा पूरे मानव समाज और पृथ्वी को दिया अनमोल उपहार है। आयुर्वेद प्राकृतिक एवं समग्र स्वास्थ्य की पुरातन भारतीय पद्धति है। यदि हमें प्रकृति को बचाना है तो पर्यावरण संरक्षण पर जोर देना होगा। औषधीय पेड़-पौधे लगाने होंगे। जिससे पर्यावरण दूषित होने से तो बचेगा ही, साथ ही आयुर्वेद का प्रसार भी होगा।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शेख हसीना : लगातार चौथी बार चुनावी जीत से लेकर नाटकीय ढंग से सत्ता से बाहर होने तक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका। बांग्लादेश में लगातार चौथी बार और कुल मिलाकर पांचवीं बार प्रधानमंत्री निर्वाचित हुईं शेख हसीना को उनके समर्थक हमेशा एक 'आयरन लेडी' के रूप में सराहते रहे हैं। लेकिन, अब उनके 15 साल के शासन का नाटकीय ढंग से अंत हो गया है। हसीना को एक समय सैन्य शासित बांग्लादेश को स्थिरता प्रदान करने के लिए जाना जाता है, लेकिन साथ ही उनके विरोधियों द्वारा उन्हें एक 'निरंकुश' नेता बताकर उनकी आलोचना भी की जाती है। हसीना (76) सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली दुनिया की कुछ चुनिंदा महिलाओं में से एक हैं।

बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हसीना 2009 से सामरिक रूप से महत्वपूर्ण इस दक्षिण एशियाई देश की बागडोर संभाल रही थीं। उन्हें जनवरी में हुए 12वें आम चुनाव में लगातार चौथी बार प्रधानमंत्री चुना गया। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की मुख्य विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसके सहयोगियों ने चुनाव का बहिष्कार किया था। सितंबर 1947 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में जन्मीं हसीना 1960 के दशक के अंत में ढाका विश्वविद्यालय में अध्ययन के दौरान राजनीति में सक्रिय हो गईं। पाकिस्तानी सरकार द्वारा अपने पिता की कैद के दौरान उन्होंने उनके राजनीतिक संपर्क सूत्र के रूप में कार्य किया।

बांग्लादेश को 1971 में पाकिस्तान से स्वतंत्रता मिलने के बाद उनके पिता मुजीबुर रहमान देश के राष्ट्रपति और फिर प्रधानमंत्री बने। हालांकि, अगस्त 1975 में मुजीबुर रहमान, उनकी पत्नी और उनके तीन बेटों की सैन्य अधिकारियों द्वारा उनके घर में ही हत्या कर दी गयी। हसीना और उनकी छोटी बहन शेख रेहाना विदेश में होने के कारण इस हमले से बच गईं थीं। हसीना ने भारत में छह साल निर्वासन में बिताए, बाद में उन्हें उनके पिता द्वारा स्थापित पार्टी अवामी लीग का नेता चुना गया। हसीना 1981 में स्वदेश लौट आईं और सेना द्वारा शासित देश में लोकतंत्र की मुखर आवाज बनीं, जिसके कारण उन्हें कई बार नजरबंद रखा गया। बांग्लादेश में 1991 के आम चुनाव में हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग बहुमत हासिल करने में विफल रही। उनकी प्रतिद्वंद्वी बीएनपी की खालिदा जिया प्रधानमंत्री बनीं। पांच साल बाद, 1996 के आम चुनाव में हसीना प्रधानमंत्री चुनी गईं। हसीना को 2001 के चुनाव में सत्ता से बाहर कर दिया गया था, लेकिन 2008 के चुनाव में वह भारी जीत के साथ सत्ता में लौट आईं। तब से खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपी मुश्किल में फंसी हुई है। वर्ष 2004 में हसीना की हत्या की कोशिश की गई थी, जब उनकी रैली में एक ग्रेनेड विस्फोट हुआ था। हसीना ने 2009 में सत्ता में आने के तुरंत बाद 1971 के युद्ध अपराधों के मामलों की सुनवाई के लिए एक न्यायाधिकरण की स्थापना की। न्यायाधिकरण ने विपक्ष के कुछ वरिष्ठ नेताओं को दोषी ठहराया, जिसके कारण हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। इस्लामिस्ट पार्टी और बीएनपी की प्रमुख सहयोगी जमात-ए-इस्लामी को 2013 में चुनाव में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया को भ्रष्टाचार के आरोप में 17 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। बीएनपी ने 2014 के चुनाव का बहिष्कार किया था, लेकिन 2018 में इसमें शामिल हुई। इस चुनाव के बारे में बाद में पार्टी नेताओं ने कहा कि यह एक गलती थी, और आरोप लगाया कि मतदान में व्यापक धांधली और धमकी दी गई थी। हसीना ने पिछले 15 सालों में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक का नेतृत्व किया और दक्षिण एशियाई राष्ट्र के जीवन स्तर में सुधार किया। एक समाचार वेबसाइट ने कई साल पहले उन्हें आयरन लेडी उपनाम दिया था और तब से पश्चिमी मीडिया द्वारा उन्हें संदर्भित करने के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। हसीना ने दुनिया के सबसे बड़े शरणार्थी संकट से निपटने के लिए तारीफ बटोरी। यह वह दौर था जब 2017 में अपने देश में सेना की कार्रवाई के बाद उत्पीड़न से बचने के लिए पड़ोसी देश म्यांमा से भागकर आए दस लाख से अधिक रोहिंग्याओं ने बांग्लादेश में शरण ली थी। हसीना को भारत और चीन के प्रतिद्वंद्वी हितों के बीच कुशलतापूर्वक बातचीत करने का श्रेय भी दिया जाता है। चुनावों से पहले उन्हें दोनों प्रमुख पड़ोसियों और रूस का समर्थन प्राप्त हुआ। उनके करीबी लोग कहते थे कि प्रधानमंत्री एक काम में डूबी रहने वाली महिला हैं और वह रोजाना इस्लाम के नियमों का पालन करती हैं। राजनीतिक विरोधियों ने हसीना की सरकार को एक निरंकुश और भ्रष्ट शासन बताया, जबकि नागरिक संस्थाओं से जुड़े लोगों और अधिकार समूहों ने उस पर मानवाधिकारों के हनन का आरोप लगाया।

बांग्लादेश में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र में तोड़फोड़,चार हिंदू मंदिरों को 'मामूली' क्षति पहुंचाई गयी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी में सोमवार को उपद्रवी भीड़ ने एक भारतीय सांस्कृतिक केंद्र में तोड़फोड़ की और देशभर में चार हिंदू मंदिरों को मामूली क्षति पहुंचाई। प्रत्यक्षदर्शियों और समुदाय के नेताओं ने यह जानकारी दी। हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद की नेता काजोल देबनाथ ने कहा कि उन्हें खबर मिली है कि देशभर में कम से कम चार हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाया गया। उन्होंने बताया, ये मामूली क्षति है। हालांकि, प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से इस्तीफा देने के बाद उत्पन्न तनावपूर्ण स्थिति को लेकर हिंदू समुदाय के कुछ नेता चिंतित हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बांग्लादेश की राजधानी के धानमंडी इलाके में स्थित इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र (आईजीसीसी) और बंगबंधु स्मारक संग्रहालय को एक उपद्रवी भीड़ ने सोमवार को क्षतिग्रस्त कर दिया।

'ढाका ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार, सोमवार अपराह्न प्रदर्शनकारियों ने ढाका में कई प्रमुख स्थानों पर आगजनी की, जिसमें धानमंडी 32 स्थित बंगबंधु भवन भी शामिल है, जिसे बंगबंधु स्मारक संग्रहालय के रूप में भी जाना जाता है। यह संग्रहालय हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान को समर्पित है, जिनकी 1975 में राष्ट्रपति रहने के दौरान हत्या कर दी गई थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देकर बांग्लादेश छोड़ना पड़ा है। सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने घोषणा की कि अंतरिम सरकार बनाई जा रही है और उन्होंने प्रदर्शनकारियों से हिंसा बंद करने का आग्रह किया।

इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र का मार्च 2010 में औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया था। यह सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सांस्कृतिक संगोष्ठियों, कार्यशालाओं का आयोजन करने तथा योग, हिंदी भाषा, भारतीय शास्त्रीय संगीत और कथक तथा मणिपुरी जैसे भारतीय नृत्यों के लिए भारतीय गुरुओं, पेशेवरों और प्रशिक्षकों को नियुक्त कर भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देता है। इसमें बांग्लादेश के उच्च श्रेणी के पेशेवर भी शामिल हैं, जिन्होंने भारतीय गुरुओं या भारतीय विश्वविद्यालयों से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। यह भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद का सांस्कृतिक केंद्र है। इस केंद्र में भारतीय कला, संस्कृति, राजनीति, अर्थशास्त्र और कथा साहित्य के क्षेत्रों में 21,000 से अधिक पुस्तकों वाला एक पुस्तकालय है।

अगरतला में सोमवार को बांग्लादेश में उथल-पुथल के बीच भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ के जवान गश्त करते हुए।

बीएसएफ ने बांग्लादेश से लगी सीमा पर 'हाई अलर्ट' जारी किया; महानिदेशक ने अग्रिम मोर्चे का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सोमवार को बांग्लादेश में हुए घटनाक्रम के मद्देनजर 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर अपनी सभी यूनिट के लिए सोमवार को 'हाई अलर्ट' जारी किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के कार्यवाहक महानिदेशक (डीजी) दलजीत सिंह चौधरी और अन्य वरिष्ठ कमांडर ने सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए पश्चिम बंगाल के अग्रिम मोर्चे का दौरा किया। महानिदेशक दिल्ली से विमान के जरिये करीब सुबह साढ़े 10 बजे के करीब कोलकाता पहुंचे। महानिदेशक ने 'उत्तर 24 परगना' जिला और सुंदरबन इलाके में तैयारियों की समीक्षा की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, बीएसएफ ने अपने सभी 'फील्ड कमांडर' को निर्देश दिया है कि वह सभी कर्मियों को सीमा पर ड्यूटी पर तुरंत तैनात करें।

कोलकाता स्थित मुख्यालय में बीएसएफ के दक्षिण बंगाल 'फ्रंटियर' के प्रवक्ता ने कहा, बांग्लादेश में बदली स्थिति के मद्देनजर बीएसएफ ने पूरे भारत-बांग्लादेश सीमा पर अलर्ट जारी कर दिया है और सीमा पर तैनात जवानों की संख्या बढ़ा दी गई है। बीएसएफ प्रमुख के अगले कुछ दिनों तक इस क्षेत्र में रहने की उम्मीद है। दिल्ली स्थित बीएसएफ के प्रवक्ता ने कहा कि बांग्लादेश सीमा पर स्थिति अभी सामान्य है। उन्होंने कहा, जवान हालिया घटनाक्रम से अवगत और सतर्क हैं तथा किसी भी अप्रत्याशित हालात से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में व्यापक स्तर पर हो रहे विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर पिछले कुछ हफ्तों के दौरान इस पड़ोसी देश से लगी सीमा पर तैनात सभी कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई थीं और अब सभी यूनिट को 'पूरी तरह सतर्क रहने' के लिए कहा गया है। पूर्वी कमान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बल उभरती स्थिति के मद्देनजर अवैध रूप से सीमा पार करने और सीमा पारीय अपराधों में वृद्धि को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ बांग्लादेश सीमा रक्षक (बीजीबी) के अपने समकक्षों के संपर्क में हैं। अधिकारी ने कहा कि इस सीमा पर स्थित सभी सीमावर्ती स्टेशन (एलसीएस) और एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) अलर्ट पर हैं और नागरिकों की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश में करीब 3000 भारतीय विद्यार्थियों के अब स्वदेश वापस आ जाने की संभावना है। बीएसएफ अपनी 87 बटालियन के साथ देश की पूर्वी सीमा पर भारतीय सरहद की रक्षा करता है। देश की पूर्वी सीमा को पांच राज्य साझा करते हैं। पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश के साथ कुल 2,217 किलोमीटर की सीमा साझा करता है, इसके अलावा त्रिपुरा (856 किमी), मेघालय (443 किमी), असम (262 किमी) और मिजोरम (318 किमी) सीमा साझा करते हैं। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, अपनी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बीच बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया और देश छोड़कर चली गई हैं।

जयशंकर से मिले राहुल, बांग्लादेश के घटनाक्रम पर चर्चा की

नयी दिल्ली, पांच अगस्त (भाषा) लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को संसद भवन परिसर में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की और बांग्लादेश के घटनाक्रम पर चर्चा की। कांग्रेस सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बांग्लादेश के ताजा घटनाक्रम पर चर्चा की, हालांकि इस बारे में विस्तार से नहीं बताया। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश में कई दिनों से जारी विरोध प्रदर्शन के बाद सोमवार को पद से इस्तीफा दे दिया। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने सोमवार को कहा कि अब अंतरिम सरकार कार्यभार संभालेगी।

भारत ने बांग्लादेश के लिए सभी रेल सेवाएं अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/कोलकाता। भारत और बांग्लादेश के बीच सभी रेल सेवाएं अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई हैं। रेलवे अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेश में उथल-पुथल के बीच यह निर्णय लिया गया है। रेल मंत्रालय के अनुसार, मैत्री एक्सप्रेस, बंधन एक्सप्रेस और मिताली एक्सप्रेस ने इस साल जुलाई के मध्य में आखिरी फेरे लगाए थे और बांग्लादेश में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के कारण तब से उन्हें रद्द कर दिया गया है।

मंत्रालय ने कहा कि मैत्री एक्सप्रेस और बंधन एक्सप्रेस दोनों को शुरू में 19 जुलाई, 2024 से छह अगस्त, 2024 तक के लिए रद्द किया गया था। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि बांग्लादेश में मौजूदा स्थिति के कारण रद्दीकरण को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि मिताली एक्सप्रेस की सेवा भी अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि यात्री ट्रेन सेवाओं के अलावा सभी माल ढुलाई सेवाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पद से इस्तीफा दे दिया है और अब अंतरिम सरकार कार्यभार संभालेगी। कटिहार के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, न्यू जलपाईगुड़ी-ढाका के बीच चलने वाली मिताली एक्सप्रेस 17 जुलाई 2024 को ढाका गई थी, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटी।

उन्होंने कहा, ट्रेन में भारतीय रेलवे के स्वामित्व वाले 10 डिब्बे हैं, लेकिन चूंकि इन डिब्बों का इस्तेमाल केवल उसी विशेष ट्रेन में किया गया था, इसलिए हमें किसी भी तरह की असुविधा नहीं हुई। ट्रेन का इंजन सीमा पर बदला जाता था, इसलिए जब यह बांग्लादेश में प्रवेश करती है, तो वे हमारे इंजन की जगह अपना इंजन लगा देते हैं। मैत्री एक्सप्रेस ढाका और कोलकाता के बीच चलती है, जबकि बंधन एक्सप्रेस खुलना और कोलकाता के बीच चलती है।

बांग्लादेश में संकट गहराने से भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार होगा प्रभावित: निर्यातक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। घरेलू निर्यातकों ने सोमवार को बांग्लादेश में संकट पर चिंता जताते हुए कहा कि पड़ोसी देश के घटनाक्रमों का द्विपक्षीय व्यापार पर असर पड़ेगा। निर्यातकों को हालांकि उम्मीद है कि स्थिति जल्द ही सामान्य हो सकती है। निर्यातकों के अनुसार, बांग्लादेश में विदेशी मुद्रा की कमी के कारण उन्हें पहले ही वहां निर्यात में रुकावटों का सामना करना पड़ रहा है। भारत की सीमा पर बांग्लादेश को निर्यात के लिए पहुंचे जल्दी खराब होने वाले सामानों को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है और देश में अंतरिम सरकार सत्ता संभाल रही है। हसीना सरकार के खिलाफ पिछले दो दिन में हुए विरोध प्रदर्शनों में 100 से अधिक लोग मारे गए हैं। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, बांग्लादेश में संकट के कारण हमें कुछ व्यवधानों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन हमें उम्मीद है कि स्थिति जल्द ही ठीक हो जाएगी और व्यापार को किसी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा। पश्चिम बंगाल स्थित निर्यातक और पैटन के प्रबंध निदेशक संजय बुधिया ने कहा कि चूंकि दोनों देशों के बीच घनिष्ठ आर्थिक और भौगोलिक संबंध हैं, इसलिए इस संकट का भारत के व्यापार पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। भारत बांग्लादेश को कपास, मशीनरी और खाद्य उत्पादों सहित कई तरह के सामान निर्यात करता है, जबकि जूट और मछली जैसे सामान आयात करता है। बुधिया ने कहा कि आपूर्ति में व्यवधान इन क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है और सीमा बंद होने या सुरक्षा बढ़ाने वाले किसी भी संकट से माल का प्रवाह बाधित हो सकता है।

फियो के क्षेत्रीय चेयरमैन (पूर्वी क्षेत्र) योगेश गुप्ता ने कहा कि इस घटनाक्रम का द्विपक्षीय व्यापार पर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, ऐसी घटनाओं से सीमाओं पर माल की आवाजाही प्रभावित होती है। इसी तरह के विचार साझा करते हुए पीएसवाई लिमिटेड के मालिक प्रवीण सराफ ने कहा कि बांग्लादेश में संकट के दीर्घकालिक प्रभाव होंगे और द्विपक्षीय व्यापार को नुकसान पहुंचेगा। पीएसवाई लिमिटेड बांग्लादेश को मसालों, खाद्यान्नों और रसायनों सहित कई वस्तुओं का निर्यात करता है।

शोध संस्थान जीटीआरआई ने कहा कि बांग्लादेश डॉलर की भारी कमी का सामना कर रहा है, जिसने भारत सहित अन्य देशों से आयात करने की उसकी क्षमता को सीमित कर दिया है। इसके अलावा बढ़ती मुद्रास्फीति ने घरेलू मांग को भी कम कर दिया है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के चलते परिधान और अन्य कारखानों की सुरक्षा करना जरूरी है। इसके अलावा व्यापार तथा आर्थिक गतिविधियों को बनाए रखने के लिए सीमापार आपूर्ति श्रृंखला को खुला रखना भी आवश्यक है।

राजनीतिक अस्थिरता के कारण बांग्लादेश में होने वाले टी20 महिला विश्व कप पर संशय

नयी दिल्ली/दक्षिण भारत। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आंतरिक सुरक्षा टीम बांग्लादेश में फैली अराजकता पर नजर बनाये हुये है क्योंकि इस देश में अक्टूबर में महिला टी20 विश्व कप का आयोजन होना है। पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक बांग्लादेश को तीन से 20 अक्टूबर तक महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी करनी है। बांग्लादेश में फैली हिंसा के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश से भागना पड़ा। सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमा ने सोमवार को ढाका में हसीना सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच कहा कि बांग्लादेश में एक अंतरिम सरकार सत्ता संभालेगी। देश में फैली हिंसा में पिछले दो दिनों में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई। आईसीसी इस मुद्दे पर अभी इंतजार करने की नीति अपना रहा है।

आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, आईसीसी के पास अपने सभी सदस्य देशों में एक स्वतंत्र सुरक्षा निगरानी प्रणाली है। स्थिति पर करीब से नजर रखी जा रही है, लेकिन टूर्नामेंट शुरू होने में सात सप्ताह बाकी हैं। ऐसे में इस पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी कि टूर्नामेंट को बांग्लादेश से स्थानांतरित किया जाएगा या नहीं।

अनन्या पांडे की फिल्म 'सीटीआरएल' की रिलीज डेट का ऐलान

मुंबई/एजेन्सी

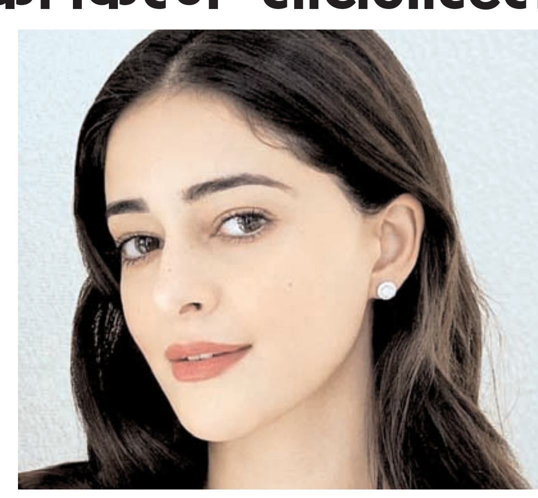

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे अपने आगामी प्रोजेक्ट 'सीटीआरएल' को लेकर इन दिनों सुर्खियों में हैं। उनकी फिल्म 'सीटीआरएल' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। यह फिल्म 4 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर आयेगी। जानकारी के अनुसार, अनन्या पांडे 'सीटीआरएल' में एक कंटेंट क्रिएटर की भूमिका निभा रही हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म है और इसका निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी ने किया है। नेटफ्लिक्स के साथ अनन्या पांडे का यह दूसरा प्रोजेक्ट है। इससे पहले उनकी फिल्म 'खो गए हम कहां' नेटफ्लिक्स पर आ चुकी है। अनन्या ने फिल्म के बारे में कहा, सीटीआरएल एक आकर्षक प्रभावशाली फिल्म है, जो यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या वास्तव में आपका जीवन आपके अपने नियंत्रण में होता है। मेरा मानना है कि यह फिल्म सभी के लिए है, क्योंकि टेक्नॉलॉजी में तेजी से इजाफा हो रहा है और इस पर हमारी निर्भरता भी बढ़ती जा रही है। निर्देशक विक्रमादित्य मोटवाने का मानना है कि हम अपने डिवाइस पर जितना समय बिताते हैं, उस हिसाब से स्क्रीन टाइम को अब स्क्रीन लाइफ हो गया है।

उन्होंने कहा, सवाल यह है कि क्या वास्तव में हम अपने जीवन के सभी डिजिटल एक्सटेंशन को नियंत्रण कर रहे हैं, या हमें नियंत्रित किया जा रहा है? यही कारण है कि इसका जवाब 'सीटीआरएल' के जरिए तलाशा जा रहा है।

इस तरह के नए युग की अवधारणा के लिए, हमें न केवल ऐसे कलाकारों की जरूरत थी जो इस तरह का जीवन जीते हों, बल्कि नेटफ्लिक्स जैसा प्लेटफॉर्म भी चाहिए था, जो लोगों के बीच लोकप्रिय है। प्रोड्यूसर निखिल द्विवेदी ने फिल्म 'सीटीआरएल' को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, विक्रम मोटवाने की मदद से 'सीटीआरएल' एक अनोखे प्रारूप में कहानी को सामने लाता है, जो इस फिल्म के हर फ्रेम में दिखाई देगा। चाहे वह स्क्रीन पर कास्ट हो या फिर पर्दे के पीछे काम करने वाले सभी कलाकार - पूरी टीम इस दुनिया को जीवंत करने को लेकर उत्साह से भरी हुई थी। सैफ्रॉन और आंदोलन फिल्म्स द्वारा निर्मित 'सीटीआरएल' का प्रीमियर 4 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर होगा। 'सीटीआरएल' में अनन्या पांडे के साथ विहान समत मुख्य किरदार में हैं। वे सोशल मीडिया पर एक रोमांटिक कंटेंट क्रिएटर कपल की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म वर्तमान समय में तकनीक पर निर्भरता और डिजिटल क्रांति पर सवाल उठाती है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

कर्म हमारे साथ चलते हैं। कर्म के कारण हमारे जीवन में कई परिस्थितियां बनती है। उसी समय हमारे मन में जिज्ञासा उत्पन्न होती है कि कर्म ही हमारे साथ चलते हैं या और कुछ भी है, जो साथ चलते हैं। भगवान कहते हैं ज्ञान इस भव में उपयुक्त है, परभव में भी साथ देगा। ज्ञान दोनों जगह साथ होगा। आज हमारे समाज में शिक्षा का महत्व बढ़ रहा है। जो व्यवहार की शिक्षा आप लेते हो, वह जीवन पर्यन्त सुखी रखती है। सम्यक् ज्ञान को आपने साथ लिया, तो वह जीवन में साथ देगा। आपको ज्ञान है तो घबराने, डरने की जरूरत नहीं है। ज्ञान और दर्शन इस भव और परभव दोनों जगह साथ में रहते हैं।

आचार्य आनंद ऋषि ने मानव जीवन को हर क्षण सार्थक बनाने का पुरुषार्थ किया : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में युवाचार्यश्री महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में आचार्य आनंद ऋषि की जन्म जयंती तप-जप के साथ मनाई गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के मंत्री धर्मीचंद सिंघवी ने स्वागत भाषण में कहा कि आज का यह पावन दिवस हम सभी यहां मना रहे हैं। पूरे देश से श्रद्धालुओं का आगमन हुआ है। आज से 52 वर्ष पहले कुशालपुरा में आचार्य आनंद ऋषि का चातुर्मास हुआ, वह आज तक नहीं भूल पाए। युवाचार्यश्री का चातुर्मास कराने का अवसर मिला है। उपनगरों के सभी संघों का संगठन बनाकर महासंघ बनाया गया। सबकी सहभागिता से यह चातुर्मास आगे बढ़ रहा है। आज बड़ी संख्या में सामूहिक तेलों का आयोजन हुआ। युवाओं के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि भावी पीढ़ी धर्म से जुड़ सके। आपका सहयोग मिलेगा तो महासंघ को सफलता मिलेगी। उन्होंने बताया कि आगामी 9 अगस्त को अर्थमेटिक विशेषज्ञ वैज्ञानिक अनुपम जैन कार्यशाला आयोजित करेंगे। उन्होंने महासंघ की ओर से उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी को उनके अवतरण दिवस की शुभकामनाएं दी।

युवाचार्यश्री ने 'ज्यों की त्यों कर दी चदरिया' विषय पर अपने संबोधन में कहा कि प्रभु कहते हैं जिस श्रद्धा, दृढ़ता से तुम आगे बढे हो, उसी तरह आगे बढ़ते रहो। भावों के रूप में कुछ विपरीत परिस्थितियां आए तो अपने लक्ष्य से विचलित नहीं हो। ऐसी स्थिति में आचार्य आनंद ऋषि कीचड़ में कमल की तरह उभरे। सबसे पहले उन्होंने मानवता की चादर ओढ़ी। मानव जीवन को हर क्षण सार्थक बनाने का पुरुषार्थ किया। जीवन की संयम जिम्मेदारी की चादर को निर्मल रखा। उनके अंतिम समय में शरीर का राग नहीं रहा। हम उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का यथासंभव प्रयास करें। महासती मलयाश्री ने भाव भरा स्तवन प्रस्तुत किया और कहा कि गुरु और गुरुणीजी दोनों का जन्म दिन आज एक साथ मनाया जा रहा है।

महासती अणिमाश्री व मलयाश्री ने काव्यपाठ द्वारा आचार्य आनंद ऋषि का गुणगान किया। महासती दिव्ययशाश्री जी ने कहा कि महापुरुषों का जन्म, जीवन व संयम पवित्र होता है। ऐसे कई उदाहरण आचार्य आनंद ऋषि के जीवन के है। वे अपनी वचन शक्ति में बहुत ही दयालु, निर्मोही व पारदर्शी पथिक के समान थे। अज्ञान के अंधकार को दूर कर सबके जीवन में प्रकाश करने वाले थे। उनका जीवन गंगा के जल के समान निर्मल था। उनके प्रति श्रद्धा भक्ति रखते हुए हम जीवन को धन्य बनाएं।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी सज्जनराज मेहता ने दिल्ली भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वर्तमान में सांसद मनोज तिवारी से नई दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में सोमवार को भेंट की। साथ ही उन्हें आगामी 25 अगस्त को चेन्नई में होने वाले पदवी प्रदान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया। जिसे मनोज तिवारी ने सहर्ष स्वीकार किया। इस मौके पर हुलास बेताला, जयप्रकाश लालवानी, विकास भूरट सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबतूर के राजाराम अंजना पटेल समाज संघ द्वारा विद्यार्थियों को पाठनीय सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही एक रक्तदान शिविर का भी आयोजन हुआ। रामाराम अंजना पेटल समाज के अध्यक्ष जोराराम, जेपाराम सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

रजत द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोशिएशन तमिलनाडु द्वारा आशासिंह मोहता चैरीटेबल ट्रस्ट के सहयोग से 4 अगस्त को डी जी वैष्णव कालेज के प्रांगण में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

प्रार्थना के पश्चात् मुख्य अतिथि तथा रजत के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। स्वागतीय भाषण अध्यक्ष प्रवीण टाटिया ने दिया। रजत की गतिविधियों पर महासचिव हेमंत दुगड ने प्रकाश डाला। प्रतिभा सम्मान समिति के चैयरमेन सीए राजेंद्र कुमार जैन ने प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम की पूरी जानकारी दी। मुख्य अतिथि के रूप में दि हिन्दू अखबार के महाप्रबंधक डी राजकुमार उपस्थित थे। मुख्य अतिथि का परिचय सहचेयरमैन विवेक बंब ने दिया। विशेष अतिथि का शाल व स्मृति चिन्ह से सम्मान अध्यक्ष प्रवीण टाटिया व चेयरमैन राजेन्द्र बाघमार जैन ने किया।

मोहता ट्रस्ट के महेन्द्र मोहता का सम्मान शाल व स्मृति चिन्ह से महासचिव हेमंत दुगड व कोषाध्यक्ष कमल चोरड़िया ने किया। तत्पश्चात् हायर सेकेन्डरी में 95 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्रों, सीए उत्तीर्ण छात्र छात्राओं तथा स्पोर्टस् में विशेष प्रतिभा प्राप्त कुल 110 विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि तथा विशेष अतिथि द्वारा चाँदी पदक और प्रमाण पत्र प्रदानकर सम्मान किए गए।

मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को अपने कुल व देश का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहन किया।

कार्यक्रम में पूर्वाध्यक्ष मोहनलाल बजाज, गौतमचंद बोहरा, सुभाषचंद रांका, कांतिलाल सींघवी व अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें। विनोद कोठारी ने कार्यक्रम का संचालन किया। आयोजन को सफल बनाने में शान्तीलाल कांकरिया, इन्दरचन्द छाजेड, मिडिया प्रभारी ज्ञानचंद कोठारी आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

राजस्थानी ओलिम्पयाड के खो-खो व कबड्डी में चंदाबाई पगारिया स्कूल विजेता रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु (रजत) द्वारा राजस्थान रत्न के सुभाषचंद रांका प्रस्तुति राजस्थानी ओलिम्पयाड तथा पावर्ड बाय राजस्थान रत्न मोहन गोयंका फाउंडेशन के अंतर्गत खो खो व कबड्डी प्रतियोगिता 4 अगस्त रविवार को डीजी वैष्णव कालेज में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

स्वागत भाषण अध्यक्ष प्रवीण टाटिया ने दिया। ओलंपियाड चेयरमैन डॉ अशोक जे मुंदड़ा ने राजस्थानी ओलम्पियाड के बारे में जानकारी दी। मुख्य अतिथि दक्षिण रेलवे के उपवित्त सलाहकार एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सुलेख जैन तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में तमिलनाडु क्रिकेट टीम के बॉलिंग कोच एडवार्ड केन्नडी ने शुभारंभ किया। अतिथि का सम्मान रजत के पदाधिकारियों ने किया। प्रकाश सेठिया खो-खो टूर्नामेंट के समन्वयक ज्ञानचंद कोठारी व नाकोडा मार्बल कब्बडी प्रीमियर लीग के समन्वयक नवनीत दमानी ने मोर्चा संभाला। सह सचिव अजय नाहर ने रजत की गतिविधियों के बारे में बताया। खो खो लड़कों के वर्ग में चंदाबाई पगारिया स्कूल, पेरम्बूर प्रथम विजेता रही वहीं लड़कियों में चन्द्राबाई पगारिया स्कूल ने बाजी मारी। विजेता और उपविजेता टीम को ट्राफी व मेडल के साथ प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कबड्डी में प्रथम विजेता एजी जैन हायर सेकेन्डरी स्कूल रहा। सहचेयरमैन मदन राठी, नीर्मल नाहटा, दौलतराज बाँटीया, गौतमचंद नाहर, शांतिलाल कांकरिया, इंदरचंद छाजेड, महेन्द्र कुंकुलोल, गणपत कोठारी, रेखा सींघी, कांता बिसानी का सहयोग सराहनीय रहा। सहचेयरमैन अनुराग महेश्वरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

पेंसठिया छंद अनुष्ठान का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के माधावरम में आचार्य महाश्रमण पब्लिक स्कूल में साध्वी डॉ.गवेषणाश्रीजी के सान्निध्य में पैंसठिया छंट का महाअनुष्ठान रखा गया। इस मौके पर साध्वी गवेषणाश्रीजी ने कहा वर्तमान में हर व्यक्ति क्लेश अशांति-असुरक्षा तथा राहु के दोष से संत्रस्त है इस पीड़ा से मुक्ति एवं सभी ग्रह दोषों की उपशांति के लिए यह पेंसठिया छंद रामबाण औषधि है, इसमें चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति की गई है,चौबीस ही तीर्थंकर महाशक्तिवान है। उन्होंने बताया कि सर्प जैसे बांसुरी के नाद से जागृत होता है वैसे ही इन चौबीस तीर्थंकरों की आराधना करने से आत्मा मोह निद्रा से जागृत होती है, वैसे ही इन चोबीस तीर्थंकरों की आराधना प्रतिदिन कम से कम 7-9-11 अथवा 15000 जप अवश्य करें, इस छंद का यंत्र है जिसमें एक से लेकर पच्चीस तक अंक है जिनमें तीर्थंकर के चौबीस अंक है और पच्चीस वां अंक इष्ट की स्थापना के रूप में स्थापित किया गया है।

साध्वीश्री मयंक प्रभाजी ने कहा यह छंद प्राचीन अनुभवी आचार्यों की सधन ध्यान साधना और गहन शास्त्रीय अध्ययन के द्वारा प्राप्त मानव जाति को अमूल्य भेंट है। इसकी आराधना से हित, शिव और मंगल तो होता ही है तथा विघ्न बाधाओं से उपशांति भी होती है। कोप्पल सभाध्यक्ष दीपचंद श्रीश्रीमाल ने दर्शन सेवा का लाभ लिया। साध्वी दक्ष प्रभा ने सुमधुर गीतिका की प्रस्तुती दी। कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय महिला मंडल के मंगलाचरण से हुई। प्रवीण सुराणा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। साध्वी मेरू प्रभा ने मंच का संचालन किया। आभार ज्ञापन सुरेश रांका ने किया। इस मौके पर उत्तर कर्नाटक के समागत अध्यक्ष राजेंद्र जीरावला, सुरेश कोठारी, रमेश चोपड़ा,महासभा प्रभारी पारस सोहन जीरावला, राजेंद्र बागरेचा, अमृत कोठारी आदि ने विचार रखें।

एजी जैन स्कूल की छात्राओं ने जीता कबड्डी प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एजी जैन हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने एक बार फिर अपनी कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए राजस्थानी एसोसिएशन द्वारा संचालित इंटर स्कूल कबड्डी प्रतियोगिता, जिसमें शहर के विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया था और उसमें विजेता ट्रॉफी हासिल की है। विद्यालय के प्रधानाचार्या डॉ जयश्री ने विजेता टीम को बधाई दी।

विद्यालय के कोरेस्पोंडेंट गौतमचंद गोठी एवं सचिव दलजीत सिंह ढढा ने बच्चों के खेल कौशल एवं उनके आपसी सामंजस्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

गुरु आनंद ऋषि की जयंती पर सेवा कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। श्री वर्धमान जैन सेवा संघ(कोयंबटूर) के तत्वावधान में स्थानीय शारदा हिंदू विद्यालय के प्रांगण में श्रमण संघीय द्वितीय आचार्य सम्राट श्री आनंद ऋषि जी महाराज साहब के 124वें जयंती समारोह संघ के अध्यक्ष नेमीचंद लोढ़ा की अध्यक्षता में संघ के उपाध्यक्ष गौतम धारीवाल के संयोजन में हुआ। संघ के महासचिव विक्रम छाजेड ने स्वागत किया। संरक्षक ज्ञानचन्द खारीवाल, संस्थापक राजेश कुमार गादिया ने बताया कि आगामी दस दिनों में सेवा संघ डेढ़ लाख रुपयों के अर्थ सहयोग से विभिन्न विद्यालयों में आचार्य सम्राट श्री आनंद ऋषि जी म.सा. के 125वें जयंती वर्ष के प्रारंभ उत्सव के उपलक्ष में पठन पाठन में मदद स्वरूप अनेकों सामग्री व विद्यार्थियों के लिए शिक्षा में सहयोग वाली वस्तुएं प्रदान करने जा रहा है।

विश्वकर्मा सुथार समाज की बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। रविवार को यहां एक होटल में श्री विश्वकर्मा सुथार विकास संस्थान कोयंबटूर द्वारा आयोजित समाज की सभा हुई। जिसमें पूर्व अध्यक्ष दिनदयाल सुथार ने अपने कार्यकाल का ब्योरा दिया और समाज को नई दिशा देने हेतु डिजिटल हिसाब-किताब और ब्योरा के लिए लैपटॉप से कार्य प्रारंभ किया गया और अपने कार्यकाल में सहयोग के लिए समाज बंधुओं का धन्यवाद दिया।

नए अध्यक्ष लक्ष्मण सुथार को अध्यक्ष का कार्यभार प्रदान किया गया।

लक्ष्मण धामु ने अपने कार्यकारणी में उपाध्यक्ष घेवरराम सुथार, कोषाध्यक्ष किशोर सुथार, सचिव भोमेश सुथार और अशोक कुशिप, ओम मांकड़, स्वरूप, मोती, रवि डायल, हितेश बीजेपी, प्रताप, नारायण, मुकेश, हनुमान, जेपाराम, तेगराज, सुखदेव आदि को कार्यकारणी सदस्य बनाया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष जगदीश, दीनदयाल और सुथार समाज के समाज बंधु भी उपस्थित रहे।

श्रावण सोमवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के कोंडीतोप में सोमवार को पार्थेश्वर पूजन एवं शिव रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया जिसमें भगवान शिव की विशेष पूजा, श्रृंगार एवं आरती की गई। इस विशेष आयोजन में आचार्य राजेंद्र प्रसाद दवे, भवानी शंकर दवे, जयेश दवे सहित अनेक पंडितों ने विधि विधान से पूजा एवम अनुष्ठान किया। ज्ञातव्य है कि श्रावण मास में भगवान शिव की विशेष आराधना कर लोक कल्याण की मंगल कामना की जाती है।

अग्रखेल अंतरविद्यालय टूर्नामेंट का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां रविवार को एसजेएटी नेहरू पार्क स्टेडियम में अग्रवाल रिलीफ एण्ड एज्युकेशन ट्रस्ट बोर्ड ने गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन 2024-25 के तहत छह दिवसीय अग्रलेख अंतरविद्यालय टूर्नामेंट खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह का आयोजन हुआ। इस खेल प्रतियोगिता में 10 खेलों को सम्मिलित किया या। 16 विद्यालयों से लगभग 15 सौ से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। समारोह में बोर्ड के प्रबंध न्यासी एवं विद्यालय केसचिव मुरारीलाल सोंथालिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विद्यालय के शारीरिक प्रशिक्षण विभागाध्यक्ष टीके अनिल कुमार स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का स्वागत किया।

क्रीड़ा समिति के अध्यक्ष गौरव जैन ने शॉल ओढ़ाकर मुख्य अतिथि का सम्मान किया। मुख्य अतिथि द्वारा फुटबॉल गेंद में किक मारकर इस खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि अभ्यास एवं एकाग्रता इन दो मूल मंत्रों से ही सफलता की सीढी तक पहुंचा जा सकता है। इस उद्घाटन समारोह में अग्रवाल विद्यालय की संयुक्त संवाददाता शालिनी अग्रवाल, समिति सदस्य मुकेश गुप्ता, विवेक अग्रवाल, शिल्पा तुलस्यान, शारीरिक प्रशिक्षण विभाग के शिक्षकगण, तथा छात्रों ने अपने उपस्थिति देकर समारोह की शोभा बढ़ाई।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.